शब्दबाणों का प्रहार | नागपुर, रविवार 6 जुलाई 2025 | @ www.rashtrabaan.in | । पृष्ठ :8 । वर्ष :2 । अंक : 236 । मूल्य:₹ 5

राष्ट्रबाण

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय दैनिक

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

राजनीति में नया मोड, हिंदी भाषा विवाद ने करवाया 'भरत मिलाप'

20 साल बाद उद्धव-राज ने मिलाया हाथ

'हम साथ आए हैं... एक साथ रहने के लिए' मुंबई की रैली में गरजे उद्धव ठाकरे

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र की सियासत में आज अहम दिन रहा.20 साल से एक दूसरे से दूरी बनाकर रखने वाले उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे आज एक मंच पर साथ नजर आए. उद्धव का कहना है कि वे हिंदी के खिलाफ नहीं हैं लेकिन इसे थोपना सही नहीं है. उन्होंने कहा हम 3 भाषा नीति का विरोध करते हैं. वहीं राज का कहना है कि यह निरंकुश शासन लाने का छुपा हुआ एजेंडा है. मराठी के महत्व को कम करने की साजिश है. अब दोनों ही पार्टी के नेता उम्मीद जता रहे हैं कि ठाकरे ब्रदर्स के विजय रैली में साथ आने से महाराष्ट्र की राजनीति में नई पॉलिटिकल फोर्स का जन्म होगा.

महाराष्ट्र के राजनीति के लिए आज बड़ा दिन है. मुंबई के वर्ली स्थित एनएससीआई डोम में शिवसेना यूबीटी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) ने संयुक्त रैली की. इस रैली का नाम 'मराठी विजय रैली' दिया गया. इस रैली में एक साथ दोनों भाई, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे दिखे. क़रीब 20 सालों बाद दोनों भाइयों ने मंच साझा किया है. इस ऐतिहासिक मिलन से महाराष्ट्र की राजनीति में बड़े बदलाव की अटकलें लगाई जा रही हैं. रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा कि हम (राज ठाकरे) साथ आए हैं, एक साथ रहने के लिए. हम एक साथ हैं, ये महत्वपूर्ण है. हमारे और राज के बीच जो अंतर था, वह कुछ लोगों ने दूर किया है. मराठी का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि ये लोग यूज़ एंड थ्रो की पॉलिसी का इस्तेमाल करते हैं. अब हमारी बारी है. अब हम इन्हें उखाड़कर बाहर फेकेंगे. आप लोग सभी लोगों के स्कूल खोज रहे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किस स्कूल में गए? हिंदुत्व पर किसी एक का अधिकार नहीं है. हमें हिंदुत्व सिखाने की ज़रूरत नहीं है. उद्धव बोले - 1992 में जब मुंबई में हिंसा फैला थी तो यहां के मराठी लोगों ने हिंदुओं की जान बचाई थी. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बोला है कि वह गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं करेंगे. तो उन्हें बता देना चाहता हूं कि अगर वह अपनी भाषा को लेकर गुंडागर्दी करेंगे तो फिर हम भी गुंडे हैं. उन्होंने कहा कि वे पूछ रहे हैं कि क्या हम मराठी नहीं हैं? क्या हमें अब यह साबित करने के लिए रक्त परीक्षण करने की आवश्यकता है? हमें मुंबई मिली है, जिसके लिए हमने लड़ाई की. उस समय के राजनेता नहीं चाहते थे कि महाराष्ट्र में मराठी हों. अब केंद्र की मोदी सरकार कहती है कि हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान. हमें हिंदू और हिंदुस्तान तो मंजूर है.

अडानी के पास चली गई ज्यादातर जमीनें : उद्धव

- उद्धव ने कहा कि हमें शर्म आनी चाहिए कि मुंबई की ज्यादातर जमीनें अडानी के पास चली गईं हैं. जिसके लिए हमारे शहीदों ने ख़ून बहाया था, हम अपने ज़मीन को भी नहीं बचा सके.
- मराठी विजय रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. इसमें दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में अपनी मौजूदगी स्थापित की. तस्वीरों के जरिए आप देख सकते हैं.

'विजय सभा कहा था, लेकिन रुदाली भाषण हुआ' : CM फडणवीस

महाराष्ट्र की राजनीति में मराठी अस्मिता और सत्ता संघर्ष को लेकर एक बार फिर सियासी घमासान तेज हो गया है. 20 साल बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक साथ नजर आए. अब दोनों भाइयों की साझा मराठी एकता रैली पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीखा हमला बोला है. फडणवीस ने कहा कि जिसे 'विजय सभा' कहा जा रहा था, वहां वास्तव में 'रुदाली भाषण' हुआ.इससे पहले दिन में ठाकरे भाइयों ने मुंबई में एक विजय रैली के मंच को साझा किया, जो राज्य सरकार द्वारा पहली कक्षा से ही स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने वाले दो सरकारी प्रस्तावों (जीआर) को वापस लेने के फैसले का जश्न मनाने के लिए आयोजित की गई थी. सभा को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा था कि जो काम बाल ठाकरे नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया. उन्होंने हमें (राज और उद्धव) एक मंच पर ला दिया.

जो बालासाहेब नहीं कर पाए, वो फडणवीस ने कर दिखाया : राज

महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार को एक ऐतिहासिक क्षण सामने आया, जब करीब 2 दशक बाद ठाकरे परिवार के 2 चचेरे भाई- राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक मंच पर नजर आए. वर्ली स्थित एनएससीआई डोम में आयोजित 'आवाज मराठीचा' नामक महारैली में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के प्रमुख राज ठाकरे ने सरकार के तीन-भाषा फॉर्मूले को वापस लेने के फैसले को मराठी अस्मिता की जीत करार दिया और इस फैसले के पीछे मराठी एकता को श्रेय दिया. रैली को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा, "मैंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि मेरा महाराष्ट्र किसी भी राजनीति और लड़ाई से बड़ा है. आज 20 साल बाद मैं और उद्धव एक साथ आए हैं. जो बालासाहेब नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया- हम दोनों (राज और उद्धव) को एक साथ लाने का काम."राज के इस बयान पर पूरे पंडाल में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी. उन्होंने बिना किसी का नाम लिए स्पष्ट रूप से कहा कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की जो कोशिश की जा रही है, वह कभी कामयाब नहीं होगी. अगर किसी ने मुंबई पर हाथ डालने की हिम्मत की, तो मराठी मानुष का असली बल देखेगा.

'अचानक हिंदी पर इतना जोर क्यों?'

राज ठाकरे ने केंद्र सरकार पर हमला करते हुए पूछा, "अचानक हिंदी पर इतना जोर क्यों दिया जा रहा है? ये भाषा का प्रेम नहीं, बल्कि एजेंडा है. हम पर हिंदी थोपने की कोशिश की जा रही है. हम ये बर्दाश्त नहीं करेंगे. जब हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम में पढ़ते हैं तो हमारे मराठीपन पर सवाल उठते हैं. लेकिन जब बीजेपी नेताओं ने मिशनरी स्कूलों में पढ़ाई की, तब उनके हिंदुत्व पर किसी ने उंगली नहीं उठाई. ये दोगलापन नहीं चलेगा." उन्होंने कहा कि बालासाहेब ठाकरे और उनके पिता श्रीकांत ठाकरे भी इंग्लिश मीडियम से पढ़े थे लेकिन मराठी को कभी नहीं छोड़ा. उन्होंने बालासाहेब से जुड़ा एक पुराना किस्सा सुनाया, जब 1999 में बीजेपी शिवसेना सरकार बनने की संभावना थी और बीजेपी नेता सुरेश जैन को मुख्यमंत्री बनाने की बात को लेकर बालासाहेब से मिलने पहुंचे थे. बालासाहेब ने तब स्पष्ट कह दिया था कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री सिर्फ मराठी मानुष ही होगा.

"हम फूल या आग अगला कदम": शिंदे

राज ठाकरे-उद्धव ठाकरे विजय रैली: राज्य सरकार द्वारा हिंदी को अनिवार्य बनाने के फैसले को वापस लेने के बाद, आज मुंबई में शिवसेना (ठाकरे) और मनसे द्वारा विजय रैली का आयोजन किया गया. उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक साथ एकत्र होने से पूरे महाराष्ट्र का ध्यान अपनी ओर खींचा. इस रैली में बोलते हुए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मनसे और शिवसेना (ठाकरे) पार्टियों के बीच गठबंधन के संकेत दिए हैं. इस दौरान इस सभा में बोलते हुए उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कड़ी आलोचना की . इस आलोचना के बाद अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे को जवाब दिया है और सीधी चेतावनी दी है. एकनाथ शिंदे ने कहा है, 'अगले चुनाव में हम देखेंगे कि हम फूल हैं या आग.' शिंदे ने उद्धव ठाकरे की भी आलोचना करते हुए कहा कि हालांकि 3 साल पहले उनकी आधी दाढ़ी ही कटी थी, लेकिन वे अभी तक ठीक नहीं हुए हैं. एकनाथ शिंदे ने कहा.‍वास्तव में, 3 साल पहले धुल चुका यह संवाद, फिर नहीं उठेगा, ऐसा लगता है कि उद्धव ठाकरे को सूट करता है. भले ही मैंने 3 साल पहले उनकी दाढ़ी पर अपना हाथ आधा घुमाया था, लेकिन वह गिर गया और अभी तक ठीक नहीं हुआ है. अब उद्धव ठाकरे किसी का हाथ पकड़कर उठने की कोशिश कर रहे हैं.

फास्ट ट्रैक

हाफिज को भारत को सौंपने तैयार

नई दिल्ली. पाकिस्तान के नेता और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने आतंकी हाफिज सईद को लेकर बड़ा बयान दे दिया है. बिलावल भुट्टो ने कहा है कि पाकिस्तान आतंकी हाफिज सईद को सौंपने के लिए तैयार है. भुट्टो ने कहा कि बशर्ते भारत इस प्रक्रिया में सहयोग करे. बिलावल भुट्टो दरअसल अल जजीरा को इंटरव्यू दे रहे थे. इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे लोगों को सद्भावना के संकेत के तौर पर भारत को सौंपा जा सकता है.

जम्मू कश्मीर: रामबन में अमरनाथ यात्रा

3 बसें आपस में टकराई

36 तीर्थयात्री घायल

राष्ट्रबाण

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के रामबन में अमरनाथ तीर्थयात्रा काफिले की तीन बसें आपस में टकरा गईं. इस हादसे में अमरनाथ जा रहे 36 तीर्थयात्री मामूली रूप से घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को रामबन जिले में तीन बसों की टक्कर में 36 अमरनाथ तीर्थयात्री मामूली रूप से घायल हो गए. ये बसें जम्मू के भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम बेस कैंप की ओर जा रहे काफिले का हिस्सा थीं. अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास हुई. उन्होंने बताया कि दुर्घटना एक बस के ब्रेक फेल होने के कारण हुई, जिसके बाद बस ने दो अन्य वाहनों को टक्कर मार दी. बसों की टक्कर के बाद घायल यात्रियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज हुआ. इलाज के बाद उन बसों को बदल दिया गया, जिनमें नुकसान हुआ था. नई बसों के साथ काफिला आगे रवाना हो गया.

चुनाव आयोग कर रहा नियमित संवाद

4 महीने में 5 हजार मीटिंग्स

CEC ज्ञानेश कुमार ने खारिज किए विपक्ष के आरोप

राष्ट्रबाण

फिरोजाबाद. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को स्पष्ट किया कि आयोग सभी राजनीतिक दलों के साथ लगातार संवाद करता है. उन्होंने बताया कि बीते 4 महीनों में देशभर में 5000 बैठकें आयोजित की गई हैं, जिनमें 28 हजार से अधिक लोग शामिल थे, इनमें राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया. फिरोजाबाद में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए मुख्य चुनाव आयुक्त ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वोटरों के बाद राजनीतिक दल चुनाव आयोग के सबसे अहम साझेदार होते हैं. जब उनसे यह पूछा गया था कि विपक्षी दल बिहार चुनाव को लेकर आयोग पर ये आरोप लगा रहे हैं कि उनकी चिंताओं को दरकिनार किया जा रहा है. इस पर सीईसी ने कहा कि चुनाव आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ नियमित संवाद करता है. हर विधानसभा क्षेत्र में, हर जिले में और हर राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ सर्वदलीय बैठकें की गई हैं. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि आयोग ने हाल ही में 5 राष्ट्रीय और 4 राज्य स्तरीय दलों से भी औपचारिक बैठकें की हैं, अगर कोई मुद्दा सामने आता है तो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भी चुनाव आयोग से मिलते हैं. सीईसी ज्ञानेश कुमार ने दोहराया कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई पात्र व्यक्ति सूची से छूटे नहीं और कोई अपात्र व्यक्ति शामिल न हो. उन्होंने कहा कि बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पारदर्शी और अपडेट वोटर लिस्ट तैयार करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है.

बिहार में वोटर लिस्ट के विशेष पुनरीक्षण पर दी जानकारी

मुख्य चुनाव आयुक्त ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की. उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम 1 जनवरी 2003 की मतदाता सूची में दर्ज हैं, उन्हें किसी अतिरिक्त दस्तावेज की जरूरत नहीं होगी. उनके बच्चों को भी मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए माता-पिता के दस्तावेज नहीं देने होंगे. आयोग जल्द ही 2003 की मतदाता सूची ऑनलाइन उपलब्ध कराएगा, ताकि लगभग 4.96 करोड़ मतदाता इसका उपयोग कर सकें. बिहार में कुल लगभग 7.89 करोड़ मतदाता हैं, जिसमें से 60% पुराने मतदाता हैं, जो 2003 की सूची में शामिल थे.

कार्रवाई — PNB घोटाले में CBI-ED की अपील पर एक्शन

नीरव मोदी का भाई नेहल अमेरिका में गिरफ्तार

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. पंजाब नेशनल बैंक (PNB) घोटाले के एक और अहम आरोपी नीरव मोदी के भाई नेहल दीपक मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है. यह गिरफ्तारी भारत की प्रवर्तन निदेशालय (ED) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) की संयुक्त अपील पर अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा 4 जुलाई 2025 को की गई. इसे भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले की जांच में एक बड़ी कूटनीतिक और कानूनी सफलता माना जा रहा है. नेहल मोदी की गिरफ्तारी भारत सरकार के औपचारिक प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत हुई है और अब उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अमेरिका में शुरू हो चुकी है. अमेरिकी अभियोजन पक्ष द्वारा दायर शिकायत के मुताबिक, नेहल मोदी के खिलाफ दो मुख्य आरोपों के आधार पर प्रत्यर्पण की कार्यवाही की जा रही है.

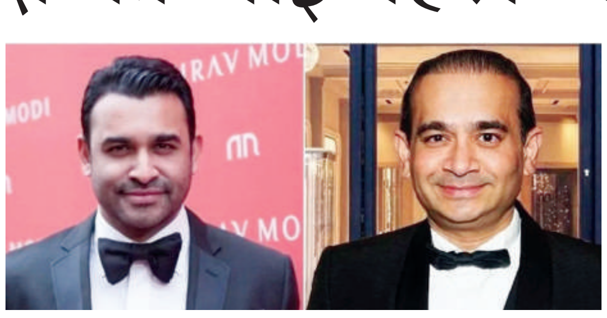

2019 में जारी हुआ था रेड कॉर्नर नोटिस

गौरतलब है कि 2019 में इंटरपोल ने नेहल मोदी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था. इससे पहले उसके भाई नीरव मोदी और निशाल मोदी के खिलाफ भी इंटरपोल नोटिस जारी हो चुके हैं. नेहल बेल्जियम का नागरिक है और उसका जन्म एंटवर्प में हुआ था. वह अंग्रेज़ी, हिंदी और गुजराती भाषाएं जानता है.नीरव मोदी पहले से ही ब्रिटेन की जेल में बंद है और उसके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया भी चल रही है. नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी को PNB घोटाले के मुख्य अपराधी हैं, जिसमें बैंक को 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ था.

घोटाले में की भाई नीरव की मदद

3 हजार करोड़ से अधिक के PNB घोटाला मामले में भगोड़े नीरव मोदी के भाई नेहल दीपक मोदी की मुश्किलें अब और बढ़ गई हैं. अमेरिकी अधिकारियों ने उसे भारत सरकार की मांग पर गिरफ्तार कर लिया है. नेहल मोदी पर आरोप है कि उसने नीरव मोदी घोटाले में जानबूझकर सबूत छुपाए, गवाहों को धमकाया और घोटाले से जुड़े पैसों और संपत्तियों को छुपाने में एक्टिव रोल निभाया.जांच एजेंसियों के अनुसार, जब भारत में जांच शुरू हुई तो नेहल ने दुबई में स्थित Firestar Diamond FZE कंपनी से 50 किलो सोना लिया और उसे गायब कर दिया. वह खुद इस पूरे प्रोसेस को मॉनिटर कर रहा था और अपने कर्मचारियों से सभी जरूरी रिकॉर्ड, खातों और डेटा को डिलीट करवाने की कोशिश कर रहा था.

हांगकांग से ज्वेलरी अपने कब्जे में ली

इसके अलावा, नेहल मोदी ने हांगकांग से करीब 6 मिलियन डॉलर (लगभग 50 करोड़ रुपये) की डायमंड ज्वेलरी, 150 बॉक्स मोती और दुबई से 3.5 मिलियन दिरहम कैश तथा 50 किलो सोना भी अपने कब्जे में लिया. इस सभी को उसने अपने एक साथी मिहिर भंसाली के साथ मिलकर अंजाम दिया.प्रवर्तन निदेशालय (ED) के अनुसार, नेहल ने न सिर्फ फिजिकल सबूतों को हटाया बल्कि डिजिटल एविडेंस जैसे मोबाइल फोन और सर्वर को भी नष्ट करवाया. दुबई में मौजूद तमाम डिजिटल डेटा को पूरी तरह खत्म कर दिया गया.

तेलंगाना CM के बिगड़े बोल

इंदिरा कैंटीन का विरोध करने वालों पर कहा- 'इन्हें कपड़े उतारकर पीटना जरूरी'

राष्ट्रबाण

हैदराबाद. तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को इंदिरा कैंटीन करने का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को लेकर विवादित बयान दिया. उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा कैंटीन का नाम बदलकर इंदिरा कैंटीन करने पर विरोध कर रहे लोग मूर्ख हैं. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये लोग पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की महानता को तब तक नहीं समझ पाएंगे जब तक उनके कपड़े उतारकर उन्हें पीटा न जाए. रेड्डी के इस बयान पर जमकर बवाल मच रहा है. हैदराबाद बीजेपी के अध्यक्ष रामचंद्र राव ने सीएम रेड्डी के बयान का विरोध किया है. रेवंत रेड्डी ने कहा ‍इंदिरा गांधी द्वारा शुरू किए गए कल्याण और विकास से गरीबों का जीवन रोशन हो रहा है और यही कारण है कि हम इंदिरा गांधी के बाद कल्याणकारी योजनाएं बना रहे हैं. हैदराबाद में गरीबों को 5 रुपये में भोजन और यहां तक कि उन्हें नाश्ता उपलब्ध कराने के लिए हमने कैंटीन का नाम इंदिरा गांधी के नाम पर रखा है.

KTR ने साधा निशाना

रेवंत रेड्डी के इस बयान से विरोधियों को एक बार फिर मुख्य मंत्री की नीतियों और काम पर ही नहीं बल्कि उनकी भाषा पर भी सवाल उठाने का एक और मौका मिल गया. केटीआर ने इस पर आपत्ति जताते हुए राहुल गांधी पर भी तंज कसा कि वो संविधान और नीतियों की बात करते हैं, जबकि उनके मुख्य मंत्री को भाषा की तमीज नहीं है.

अन्नपूर्णा कैंटीन का नाम बदला

के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में बीआरएस शासन के दौरान शुरू की गई अन्नपूर्णा कैंटीन शहर में 150 स्थानों पर 5 रुपये में भोजन उपलब्ध कराती है. यहां भारी संख्या में लोग खाना खाने आते हैं. ये कैंटीन श्रमिकों, दिहाड़ी मजदूरों और शहरी गरीबों का पेट भरने में मदद कर रही हैं. हाल ही में, जीएचएमसी की स्थायी समिति ने इसका नाम बदलकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम पर रखने का फैसला किया. समिति ने अगले महीने से भोजन केंद्रों पर 5 रुपये में नाश्ता योजना शुरू करने का भी फैसला किया. तेलंगाना भाजपा ने भी इस फैसले के लिए कांग्रेस की आलोचना की है.

संपादकीय

विश्व शांति के लिए भी खतरा है पाक

पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत-पाकिस्तान के संबंधों को प्रभावित किया है. हमले में पर्यटकों की धार्मिक पहचान पूछकर हत्या की गई. लश्कर के संगठन टीआरएफ ने इसकी जिम्मेदारी ली. इस घटना का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अस्थिर करना था. भारत ने आर्थिक और कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को जवाब दिया.पहलगाम के आतंकी हमले ने द्विपक्षीय समीकरण ही नहीं, बल्कि समूचे दक्षिण एशिया में संबंधों के तानेबाने को प्रभावित किया है. इस हमले ने आतंक की नीति को जारी रखने वाली पाकिस्तानी मंशा को प्रकट किया था. पर्यटकों से उनकी मजहबी पहचान पूछकर की गई हत्याओं को लश्कर के पिट्ठू संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने अंजाम दिया. इसे केवल एक नरसंहार के रूप में न देखा जाए. यह भू-राजनीतिक उकसावे की एक सुनियोजित कार्रवाई थी. इसने जहां आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान के कलंकित इतिहास को दोहराया, वहीं इसके पीछे की एक मंशा जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा ढांचे को अस्थिर करने की भी थी.

जहां सेना-आइएसआइ की आतंकी करतूत से इस्लामाबाद ने आदतन किनारा कर लिया. इसमें किसी को कोई संदेह नहीं हो सकता कि पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व की हरी झंडी के बिना ऐसे किसी हमले को अंजाम दिया गया होगा. पहलगाम हमले के बाद भारत ने आर्थिक, कूटनीतिक और सामरिक मोर्चों पर बहुत कारगर कदम उठाए और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया. दूसरी ओर, पाकिस्तान लकीर पीटने वाले ढर्रे पर चलते हुए बस शेखी बघारता रहा. भारत ने जहां सिंधु जल समझौते को ठंडे बस्ते में डालकर पाकिस्तान और उसकी आर्थिकी की कमर तोड़ने वाला दांव चला.

वैश्विक निगरानी और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद पाकिस्तान ने अपनी जमीन पर संचालित आतंकी ढांचे को समाप्त नहीं किया है. पहलगाम हमला भी उसी पुराने ढर्रे पर किया गया, जहां सेना-आइएसआइ की आतंकी करतूत से इस्लामाबाद ने आदतन किनारा कर लिया. इसमें किसी को कोई संदेह नहीं हो सकता कि पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व की हरी झंडी के बिना ऐसे किसी हमले को अंजाम दिया गया होगा. पहलगाम हमले के बाद भारत ने आर्थिक, कूटनीतिक और सामरिक मोर्चों पर बहुत कारगर कदम उठाए और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया. दूसरी ओर, पाकिस्तान लकीर पीटने वाले ढर्रे पर चलते हुए बस शेखी बघारता रहा. भारत ने जहां सिंधु जल समझौते को ठंडे बस्ते में डालकर पाकिस्तान और उसकी आर्थिकी की कमर तोड़ने वाला दांव चला, वहीं पाकिस्तान शिमला समझौते से पीछे हटने का निरर्थक राग अलापता रहा. कश्मीर में दशकों की अस्थिरता से उबरते हुए पटरी पर आ रही पर्यटन गतिविधियां आतंकी हमले के बाद फिर से अनिश्चितता के भंवर में फंस गई हैं. हालांकि इसका आर्थिक खामियाजा जम्मू-कश्मीर से परे समूचे दक्षिण एशिया को भुगतना पड़ रहा है.

अपनी तकदीर बदलने वाली महिलाएं

उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले का गजरौला ब्लाक इन तथ्यों की पुष्टि कर रहा है. यहां पिछले दो वर्ष से 'दीदी की दुकान' पहल के अंतर्गत चयनित एसएचजी की महिलाओं को व्यवसाय एवं उद्यमशीलता में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे कई 'उद्यमी दीदी' अपनी दुकान चला रही हैं. बी-एबल फाउंडेशन की एक परियोजना के तहत इस प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संगठित एसएचजी से इन महिलाओं को चुना गया.

दीदी की दुकान महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का नया अध्याय

हाल की रिपोर्टों में महिलाओं में स्वरोजगार बढ़ने की बात सामने आई है. उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले में दीदी की दुकान पहल महिलाओं को उद्यमशीलता का प्रशिक्षण दे रही है जिससे वे आत्मनिर्भर बन रही हैं. इन दुकानों पर रोजमर्रा के सामान के साथ महिलाओं की जरूरत की चीजें भी मिलती हैं. हाल की कई रिपोर्ट में यह बात आई है कि देश में महिलाओं में स्वरोजगार बढ़ा है. एक आंकड़े के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी 37 प्रतिशत हो गई. यह बढ़त मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक दिखी है. ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रमुख कारण महिलाओं के आत्मनिर्भर होने और किसी न किसी स्वयं सहायता समूह से

जुड़ा होना समझा जाता है. इन स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को पिछले दस वर्षों में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सशक्त किया गया है. उत्तर प्रदेश के अमरोहा जिले का गजरौला ब्लाक इन तथ्यों की पुष्टि कर रहा है. यहां पिछले दो वर्ष से 'दीदी की दुकान' पहल के अंतर्गत चयनित एसएचजी की महिलाओं को व्यवसाय एवं उद्यमशीलता में प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे कई 'उद्यमी दीदी' अपनी दुकान चला रही हैं. बी-एबल फाउंडेशन की एक परियोजना के तहत इस प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संगठित एसएचजी से इन महिलाओं को चुना गया. अन्य महिलाएं भी इस पहल का हिस्सा हैं, जो किसी एसएचजी से नहीं जुड़ी हुई हैं. दीदी की दुकानों की खास बात यह है कि परचून और रोजमर्रा के राशन के सामान के साथ-साथ इनमें महिलाओं की जरूरतें संबंधी वस्तुएं भी मिलती हैं. इन दुकानों में सैनेटरी नैपकिन भी उपलब्ध हैं, जिन्हें लड़कियां, महिलाएं बिना हिचक खरीदती हैं. इन दुकानों पर रंग बिरंगी चूड़ियां, राखियां, सिलाई-कढ़ाई आदि के सामान भी खूब मिलते हैं. एक दीदी की दुकान में फ्रिज होने से कोल्ड ड्रिंक्स, शरबत और डेरी का सामान है. कई दुकानों में गिफ्ट आइटम भी बिकते हैं. इन दुकानों को कुछ निजी कंपनियों ने अलमारी, रैक और काउंटर टेबल अपने कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व-सीएसआर के तहत उपलब्ध कराए हैं. कई 'उद्यमी दीदी' महीने में 20 से 25 हजार रुपये कमा लेती हैं. इस पहल के अंतर्गत दीदियों को इसके लिए प्रोत्साहित किया गया है कि वे हर प्रकार का सामान अपनी दुकानों पर रखें, ताकि गांव वालों को न तो साप्ताहिक हाट-बाजारों पर निर्भर रहना पड़े और न ही शहर पर. इस योजना से सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि महिलाएं आगे आकर दुकानों का कारोबार संभाल रही हैं, जो एक जमाने तक सिर्फ पुरुषों का ही व्यवसाय माना जाता था. इससे कई प्रकार की लैंगिक रूढ़िवादिताएं बदली हैं. अब न केवल महिलाएं आर्थिक तौर पर सशक्त हो रही हैं, बल्कि उनकी सामाजिक गतिशीलता में भी बदलाव आया है. स्वयं सहायता समूहों और उद्यमता से सशक्त हो रही महिलाएं बताती हैं कि उन्हें एक नई पहचान मिली है और अब उनकी भी एक 'आइडेंटिटी' है. यह एक बड़ा बदलाव है. तमाम रिसर्च बताती हैं कि इस तरह की पहल से महिलाओं के आत्मसम्मान में बढ़ोतरी होती है.

दम घुटा, जनता मांग रही है सांस

दूसरे राज्यों में प्रदूषण जांच में पास पुराने वाहन दिल्ली में मुसीबत क्यों माने जा रहे हैं? रोज़ हजारों ऐसे वाहन दिल्ली आते हैं, फिर अलग मापदंड क्यों? दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रदूषण की समस्या जिस स्तर पर गहराती गई है, उसमें इस पर काबू पाने के लिए किए जाने वाले उपायों से शायद ही किसी को असहमति होगी. विडंबना यह है कि कई बार किसी समस्या से पार पाने के लिए जिन उपायों का सहारा लिया जाता है, उसकी व्यावहारिकता कठघरे में होती है. दिल्ली में हर अगले साल प्रदूषण के गहराते संकट के सबसे बड़े कारणों में एक वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को माना गया और इस आधार पर पिछले कुछ वर्षों से सम-विषम जैसे नियम लागू कर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने की कोशिश की गई. इसके अलावा, पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने को लेकर नियम-कायदे बनाए गए. हालांकि इसके अपेक्षित नतीजे को लेकर हमेशा संशय रहा. गौरतलब है कि दिल्ली में कुछ दिन पहले यह घोषणा की गई कि पंद्रह वर्ष पुराने पेट्रोल और दस वर्ष पुराने डीजल वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा. साथ ही पेट्रोल पंप पर पुरानी गाड़ियों को जब्त

किया जा रहा था. जाहिर है, एक साथ बड़ी तादाद में वाहनों के सड़कों से हटाने की नौबत आने पर आम लोगों के बीच व्यापक पैमाने पर आक्रोश का भाव पैदा हुआ और सरकार के इस फैसले पर सवाल उठे कि क्या अकेले इस उपाय से दिल्ली में प्रदूषण की समस्या को खत्म किया जा सकता है. इससे बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका भी प्रभावित हो सकती है. सरकार के पास इसका कोई ठोस जवाब नहीं है.यह बेवजह नहीं है कि गुरुवार को दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को पत्र लिख कर कहा कि तकनीकी चुनौतियों और जटिल प्रणाली के कारण तय मियाद पूरी कर चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध लगाना व्यावहारिक नहीं है. यानी फिलहाल पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने की कवायद थमती दिख रही है. हालांकि इसे लेकर आम लोगों के बीच जैसी प्रतिक्रिया सामने आई, उसके बाद यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर सरकार क्या रुख अपनाती है. पुणे की आइटी पेशेवर युवती से दुष्कर्म करने वाला जब यह कहता है कि वह दोबारा आएगा, तो इससे साबित होता है कि आपराधिक मानसिकता के किसी व्यक्ति का दुस्साहस स्त्रियों के खिलाफ मनमानी करने से आगे बढ़ कर उनके आत्मसम्मान को गहरी ठेस पहुंचाने तक पहुंच गया है.

पहाड़ों की प्रकृति के अनुरूप हो विकास

हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए. बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है. निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है. लगातार बादल फटने के बाद भयावह मंजर हमारे सामने उभरा है. निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं, लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का मंजर निश्चय ही भयावह है. वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है. इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे, घरों,सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है. राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं. कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है. शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया. यहां ढली इलाके में कई इमारतें गंभीर खतरे की जद में आ चुकी हैं. निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास, खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है. जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है. दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं. हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं.

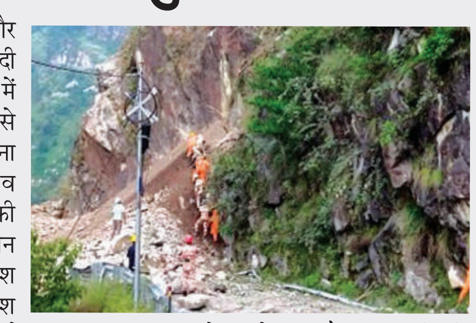

वास्तव, में हिमाचल व उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है. दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थितिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है. विकास के नाम पर हमने

राशिफल

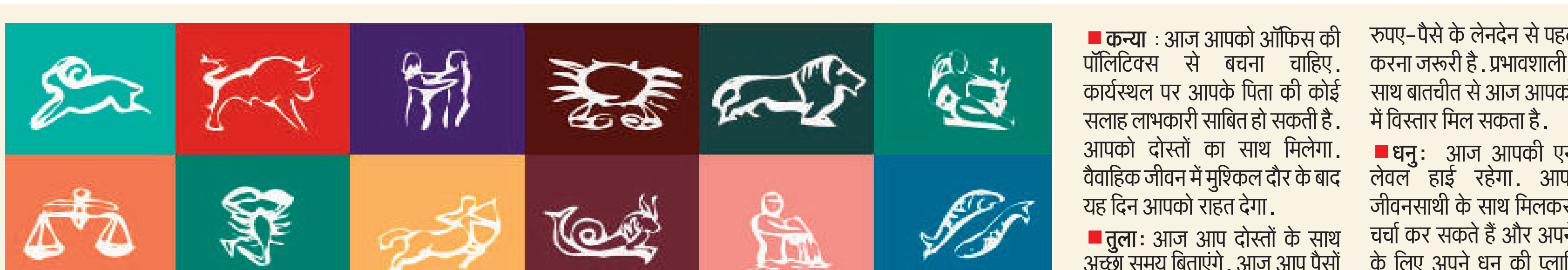

■ **मेष** : आज आपको दिन की शुरुआत एक्सरसाइज से करनी चाहिए. व्यापारियों को लाभ होने की संभावना है. नौकरी पेशा करने वालों को उन्नति व आय में वृद्धि मिल सकती है. दोस्तों के साथ एक रंगीन शाम बिताने का मौका मिलेगा. लोग आपके काम की तारीफ करेंगे.

■ **वृषभ** : आज आपको परेशानियों का समाधान मिल सकता है. अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसे बचाना शुरू कर देना होगा. आप अपने बिजी शेड्यूल से अपने लिए समय निकाल सकते हैं और अपने जीवनसाथी के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं.

■ **मिथुन** : आज आपके जीवन में खुशियों का आगमन होगा. किसी अटके हुए धन की वापसी हो सकती है, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. जो लोग अभी तक सिंगल हैं, उनकी आज किसी खास शख्स से मुलाकात होने की संभावना है. खरीदारी करने के लिए आज का दिन अच्छा है.

■ **कर्क** : आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. अगर आप कर्ज लेने वाले थे और काफी समय से इस काम में लगे हुए थे तो आज आपके लिए भाग्यशाली दिन है. आपके घर का माहौल अच्छा रहेगा. आज आप अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन अपने जीवनसाथी के साथ बिताएंगे.

■ **सिंह** : आज सेहत को लेकर सतर्क रहें. आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जो आपको अपना आर्थिक पक्ष मजबूत करने के लिए कोई महत्वपूर्ण सलाह दे सकता है. परिवार के सदस्यों का साथ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा.

■ **कन्या** : आज आपको ऑफिस की पॉलिटिक्स से बचना चाहिए. कार्यस्थल पर आपके पिता की कोई सलाह लाभकारी साबित हो सकती है. आपको दोस्तों का साथ मिलेगा. वैवाहिक जीवन में मुश्किल दौर के बाद यह दिन आपको राहत देगा.

■ **तुला** : आज आप दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे. आज आप पैसों से जुड़ी परेशानियों के कारण मन परेशान हो सकता है. भावुकता पर काबू रखें. आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा. जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे.

■ **वृश्चिक** : आज आपको आर्थिक व व्यापारिक रूप से सफलता मिलेगी. कोई आपका दोस्त आज आपसे बड़ी रकम उधार मांग सकता है, लेकिन रुपए-पैसे के लेनदेन से पहले विचार करना जरूरी है. प्रभावशाली लोगों के साथ बातचीत से आज आपको व्यापार में विस्तार मिल सकता है.

■ **धनु** : आज आपकी एनर्जी का लेवल हाई रहेगा. आप अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर धन पर चर्चा कर सकते हैं और अपने भविष्य के लिए अपने धन की प्लानिंग बना सकते हैं. मानसिक तनाव का सामना कर सकते हैं. आज का दिन वाकई बहुत रोमांटिक होने वाला है.

■ **मकर** : आज आपको शरीर से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं. अगर आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो आपको आज से ही पैसे बचाना शुरू कर देना होगा. किसी व्यक्तिगत परेशानी को सुलझा सकते हैं. व्यापारियों को आर्थिक मुनाफा हो सकता है.

■ **कुंभ** : आज आपको अपनी डाइट पर नजर रखनी चाहिए. आपको बेवजह ज्यादा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए, नहीं तो पैसों की तंगी हो सकती है. परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे. आपका खराब मूड आपका जीवनसाथी किसी खास सरप्राइज से खुश हो जाएगा.

■ **मीन** : आज आपको शारीरिक रूप से कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं. आर्थिक पक्ष मजबूत होने की संभावना है. अगर आपने किसी व्यक्ति को पैसा उधार दिया था तो आज वह पैसा आपको वापस मिलने की उम्मीद है. जीवनसाथी का साथ मिलेगा.

फिल्म वर्ग पहेली - 385

1		2			3		4		5
				6					
7			8			9		10	
		11		12					
	13		14			15	16		17
					18				
19		20		21			22		
		23							
24	25			26		27		28	
			29			30			

बायें से दायें:-

1. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-2,1,1
3. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-2,3
6. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-2
7. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-2
8. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और' गीत वाली फिल्म-2
9. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-4
12. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-3
13. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-4
15. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-2
18. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-3
19. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-3
21. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-2
22. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-3
23. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-2
24. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-3
26. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-3
29. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-2
30. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-2,2
2. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-2
3. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-2
4. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-3
5. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-3
6. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-4
9. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-4
10. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-2
11. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-2
13. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-3
14. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-2
16. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-2,2
17. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-4
18. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-4
19. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-3
20. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-3
25. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की है-2
26. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-2
27. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-3
28. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली - 384 का हल

का	ला	प	थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ड्डा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

■ मंगल सैणचा, बैंगलोर

अंकजाल - 385

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

	16	20	25		19	21	16	20	
13	2		6		4		8		27
18		4				7		8	22
15	7		3		2		3		16
27		6		9					
					8		2		29
26		5		7		6		5	15
16	2		6				8		23
23		8		4		6		7	21
	15	18	18	30		28	22	23	

अंकजाल 384 का हल

	14	21	21		32	21	12	19	
12	2	7	3		4	5	4	9	22
14	2	7	5		8	7	5	3	23
16	8	2	6		7	9	3	7	26
21	2	5	7	2	5				
				7	8	9	2	3	29
26	8	5	6	7		3	6	4	13
18	5	2	5	6		3	4	7	14
29	8	8	5	8		4	6	8	18
	21	15	16	30		19	18	22	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 385

शब्द जाल में आमिर खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

मं	स	दौ	ल	त	की	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	क	ह	ग	ला	अ	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	झ	पू	ना	ण	घ	को
पां	इ	ल	म	हैं	प	ल	रं	र	ला	ल
डे	श्क	ल	प	नु	रा	उ	गी	ण	घ	म
ती	दा	ल	श	सं	प	ही	ला	कौ	ला	ल
क	बा	या	र	मे	रा	क	प्या	या	श	गा
क	द	ल	गु	ला	म	स	रा	र	प	न
क	र	ल	प	व	जी	ना	ल	ओ	के	दों
क	क	ल	प	द	या	दि	व्य	ब	प	या
जी	जिं	ल	प	रा	ख	उ	द्वा	ण	घ	म

लगान, मंगल पांडे, हम हैं राही प्यार के, बाजी, रंगीला, इश्क, गुलाम, दौलत की जंग, राख, दिल.

शब्दजाल - 384 का हल

म	अ	मु	ग	ल	ए	अ	व	धी	ल	ध
द	अ	व	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	ड़
र	स	ल	का	दी	व	स	अ	कां	ख	र
जी	लि	ल	प	श	ता	स	द	ह	बा	ल
त	य	अ	अ	र	र	अ	गु	ख	प	दे
क	त	अ	शो	त	अ	भि	अ	न	श	जू
क	स	अ	क	अ	न	ला	द	शा	जू	व
द	अ	ल	च	व	जी	षा	ऐ	बें	प	सा
क	बा	ना	ऋ	त	क	छ	प्प	न	हिं	जू
क	र्च	बा	तें	व	न	ज	द	अ	जू	व
अ	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	रु

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

यह खेल भावना का ही सम्मान है

सरकार ने पाकिस्तान की हॉकी टीम और निशानेबाजों को भारत आने की अनुमति दे दी है. पहलगाम जैसी आतंकी घटना का सामना करने के बावजूद भारत ने खेल भावना को बनाए रख परिपक्वता का सबूत दिया है. भारत को हॉकी के एशिया कप और FIH जूनियर वर्ल्ड कप की मेजबानी करनी है. इसके अलावा शूटिंग में ISSF जूनियर विश्व कप भी होना है. दोनों देशों के बीच तनाव को देखते हुए यह असमंजस बना हुआ था कि पाकिस्तान इन इवेंट्स में हिस्सा ले पाएगा या नहीं, लेकिन भारत ने जिम्मेदारी भरा परिचय दिया. तेल बेचकर यूक्रेन में नहीं लड़ रहा रूस, पुतिन के पास है 'कुबेर का खजाना'. सरकार का यह फैसला ही हिंदुस्तान और पाकिस्तान के बीच के अंतर को सामने ला देता है. पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का निशाना आम लोग बनते हैं, जबकि पहलगाम के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर चलाते वक्त भी भारत ने यही कहा कि उसकी लड़ाई केवल आतंकियों से है, आम लोगों से नहीं. सरकार का मौजूदा फैसला भी इसी भावना से जुड़ा है. पाकिस्तानी इस्टैब्लिशमेंट के किए की सजा उसके खिलाड़ियों को देना सही नहीं होगा. भारत का कदम इंटरनैशनल हॉकी फेडरेशन और इंटरनैशनल ओलिंपिक कमिटी की नीतियों के अनुरूप है, जो खेल में निष्पक्षता और सहभागिता पर जोर देते हैं. खेल को राजनीति से नहीं मिलाया जा सकता. वैसे भी मेजबान होने के नाते भारत पर जिम्मेदारी ज्यादा है. उसे इन इवेंट्स में सभी प्रतिभागी देशों को समान मौके उपलब्ध कराने चाहिए और उसने यही किया. IOC और FIH जैसी संस्थाओं के नियम बेहद कड़े हैं. पाकिस्तान को अनुमति नहीं देने पर खुद भारत के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं. ईरान ने अपने खिलाड़ियों को इस्राइल का सामना करने से मना किया और इसके चलते 2021 में इंटरनैशनल जूडो फेडरेशन ने उस पर बैन लगा दिया था. खुद पाकिस्तान ने जब 2019 में प्रो लीग हॉकी के पहले तीन मैचों से नाम वापस लिया, तो अंतरराष्ट्रीय संस्था ने उसे पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया था.

जनसंवाद नेटवर्कस् प्रा. लि. हेतु राष्ट्रबाण (प्रेस) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य द्वारा यह मुद्रित कर 101/5 गणेश स्नेहल अपार्टमेंट नागपुर-22 से प्रकाशित. प्रधान संपादक - *विष्णुगुप्त श्रीनिवास वैद्य, *पी. आर. बी. कानून के तहत संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार ■ इस पत्र में प्रकाशित विज्ञापन, लेख व समाचारों में व्यक्त विचार व्यक्तिगत है. उनसे हमारा सहमत-असहमत होना जरुरी नहीं. RNI Reg. No. HIN/72804 ■ फोन नं. 0712-7966355, rashtrabaanngp@gmail.com

व्यापारी गोपाल खेमका के मर्डर मामले में बेउर जेल के अंदर छापेमारी

सम्राट चौधरी बोले- दोषियों को घर में घुसकर मारेंगे

राष्ट्रबाण

पटना. राजधानी पटना में शुक्रवार रात करीब 11 बजे अपराधियों ने एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया. बेखौफ बदमाशों ने नामी कारोबारी गोपाल खेमका की उनके अपार्टमेंट के सामने ही गोली मारकर हत्या कर दी. घटना उस वक्त हुई जब गोपाल खेमका अपनी कार से उतरकर अपार्टमेंट में दाखिल हो रहे थे. तभी घात लगाए बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए. गोली लगते ही कारोबारी वहीं गिर पड़े, जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. व्यापारी के हत्या के मामले में पुलिस को शक है कि हत्या की साजिश बेउर जेल में रची गई थी, इसीलिए पटना की पुलिस की कई टीम इस वक्त जेल में छापेमारी कर रही है.

इस हत्याकांड का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि हमलावर कितनी बेरहमी से वारदात को अंजाम देकर मौके से भाग निकले. फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और हत्यारों की तलाश में कई ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है.

सम्राट चौधरी बोले- अपराध करने वालों को घर में घुसकर मारेंगे: गोपाल खेमका हत्याकांड को लेकर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस मामले में स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. डिप्टी सीएम ने कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जो लोग कानून हाथ में लेंगे, पुलिस उनके घर में घुसकर मारेगी. इसके साथ ही जिन अधिकारियों की लापरवाही से ऐसी घटना घटी है, उन्हें भी बख्शा नहीं जाएगा. अगले 24 घंटे में संबंधित पदाधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाएगी. सम्राट चौधरी ने यह भी कहा कि न्याय देना सरकार की जिम्मेदारी है और बिहार में कोई ऑर्गेनाइज्ड क्राइम नहीं है. मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस हत्याकांड की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) का गठन कर दिया गया है और टीम को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं.उन्होंने कहा, 'एसआईटी हर पहलू की बारीकी से जांच करेगी और कोई भी अपराधी चाहे जितना भी ताकतवर हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा. सरकार हर बिंदु पर जांच करेगी और इस जघन्य हत्याकांड में शामिल किसी भी व्यक्ति को छोड़ा नहीं जाएगा.'

'बुलडोजर की कार्रवाई होगी, एनकाउंटर होगा': मर्डर मामले पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि हमारी नजर उन अधिकारियों पर है, जो उस 'जंगल राज' के दौरान पले-बढ़े थे. जिन गैरजिम्मेदार अधिकारियों ने सख्त और त्वरित कार्रवाई नहीं की है, उनकी जवाबदेही तय की जाएगी. उन्होंने कहा, यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है.

बुलडोजर की कार्रवाई होगी, एनकाउंटर होगा.

विजय सिन्हा ने कहा, 'यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है. जो लोग इसे 'महा जंगल राज' कह रहे हैं, वे यहां 'गुंडा राज' लाने की मंशा रखते हैं. हमारी नजर उन अधिकारियों पर है, जो उस 'जंगल राज' के दौरान पले-बढ़े थे. जिन गैरजिम्मेदार अधिकारियों ने सख्त और त्वरित कार्रवाई नहीं की है, उनकी जवाबदेही तय की जाएगी. बुलडोजर की कार्रवाई होगी, एनकाउंटर होगा, संपत्ति जब्त होगी और पीड़ित परिवार को दिए जाने वाले मुआवजे के बारे में हम सीएम से चर्चा करेंगे.'

दिखी PAK पीएम शहबाज की झल्लाहट

भारत पर लगाए बेबुनियाद आरोप

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. पाकिस्तान एक बार फिर आतंक पर पर्दा डालने की कोशिश में अपने पुराने राग 'कश्मीर' का सहारा ले रहा है. अजरबैजान में आयोजित इकोनॉमिक कोऑपरेशन ऑर्गनाइ-जेशन (ECO) समिट में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आरोप लगाते हुए कहा कि भारत पहलगाम हमले को बहाना बनाकर बिना उकसावे के शत्रुता दिखा रहा है और क्षेत्रीय शांति को अस्थिर कर रहा है.

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से बौखलाए शहबाज शरीफ ने कहा, जम्मू और कश्मीर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पाकिस्तान के प्रति भारत की अकारण और लापरवाह शत्रुता क्षेत्रीय शांति को अस्थिर करने का एक और प्रयास था. गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरण घाटी में हुए भीषण आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय नागरिक की मौत हो गई थी.

शरीफ की बौखलाहट में कश्मीर और गाजा का जिक्र

ECO समिट में बोलते हुए शरीफ ने एक ओर जहां भारत पर आरोप लगाए, वहीं गाजा और ईरान में हो रहे हमलों की भी आलोचना की. उन्होंने इजरायल के ईरान पर हमलों को 'आक्रामक कार्रवाई' बताया और कश्मीर को लेकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर रट लगाने की कोशिश की.उन्होंने कहा, पाकिस्तान दुनिया में कहीं भी, चाहे वह गाजा, कश्मीर या ईरान हो, निर्दोष लोगों के खिलाफ बर्बर कृत्य करने वालों के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा है.

फास्ट ट्रैक

प्रेमिका की गला रेतकर हत्या

राष्ट्रबाण

ग्रेटर नोएडा. दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाना क्षेत्र में 37 वर्षीय महिला की हत्या के आरोप में एक शख्स को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार आरोपी की पहचान 38 वर्षीय मुकीम के रूप में हुई है. वो दादरी का रहने वाला है. उसने अपनी प्रेमिका शबनम की गला काटकर हत्या कर दी थी. इसके बाद से फरार चल रहा था. गुरुवार को हुए पुलिस मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी है. जानकारी के मुताबिक, 4 जुलाई को ईकोटेक-3 क्षेत्र की निर्माण विहार कॉलोनी में शबनम नामक महिला का शव खून से लथपथ मिला था. पुलिस जांच में पता चला कि उसका धारदार हथियार से उसका गला काटा गया है. मृतका के बेटे ने पुलिस को दी तहरीर में शक जताया कि उसकी मां को सुनियोजित साजिश के तहत मारा गया है. पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद दो टीमें गठित कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी. गुरुवार सुबह पुलिस की टीम जब चौगानपुर गोलचक्कर के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी, तभी एक संदिग्ध पल्सर बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया. लेकिन युवक ने रुकने की बजाय भागने की कोशिश करने लगा. पुलिस ने जब उसका पीछा किया, तो उसने उनके उपर फायरिंग कर दी. पुलिस ने भी जवाबी गोलीबारी की, जिसमें उसके पैर में गोली लग गई. वो बाइक से नीचे गिर पड़ा. पुलिस ने उसे मौके से ही गिरफ्तार कर लिया. पुलिस पूछताछ में आरोपी मुकीम ने चौंकाने वाला खुलासा किया है. उसने बताया कि वो शबनम के साथ प्रेम संबंध में था, लेकिन उसकी पत्नी और बच्चे इस रिश्ते के खिलाफ थे. यही वजह है कि प्रेमिका से पीछा छुड़ाने के लिए उसने उसकी हत्या की साजिश रच डाली.

ब्रिटेन के F-35B फाइटर जेट को शिफ्ट करने की तैयारी

आज केरल पहुंचेगी रॉयल नेवी की टीम

राष्ट्रबाण

नई दिल्ली. ब्रिटेन की रॉयल नेवी का एफ-35 फाइटर जेट जो पिछले 21 दिनों से तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर खड़ा है, अब वहां से हटाया जाएगा. सूत्रों के अनुसार, एक ब्रिटिश एयरक्राफ्ट कैरियर कल रविवार को तिरुवनंतपुरम पहुंचेगा. इसमें करीब 25 तकनीकी विशेषज्ञ आएंगे, जो इस लड़ाकू विमान की खराबी का आकलन करेंगे.

जानकारी के मुताबिक ब्रिटिश तकनी-शियन तय करेंगे कि इस एफ-35 जेट की मरम्मत भारत में की जा सकती है या फिर इसे वापस ब्रिटेन ले जाना होगा. भारत ने इसे पास की MRO (Main-tenance, Repair and Over-haul) सुविधा में ठीक करने का प्रस्ताव भी दिया था. रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि यदि जरूरत पड़ी तो एफ-35 को आंशिक रूप से खोलकर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट के जरिए ब्रिटेन भेजा जा सकता है.

प्लेन ने 14 जून को इमरजेंसी लैंडिंग की थी

दरअसल, ब्रिटिश रॉयल नेवी का यह फाइटर जेट, जो HMS Prince of Wales कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है, जो कि 14 जून को एक तकनीकी खराबी के कारण तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करने को मजबूर हुआ था. इसके बाद से यह विमान एक सुरक्षित बेज में खड़ा है, जिसकी छह सदस्यीय सुरक्षा टीम निगरानी कर रही है.ब्रिटिश हाई कमीशन के अनुसार, भारत सरकार की ओर से विमान को एयरपोर्ट स्थित MRO (मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल) फैसिलिटी में शिफ्ट करने की पेशकश स्वीकार कर ली गई है. ब्रिटिश इंजीनियरों के पहुंचने के बाद विमान को हेंगर में ले जाया जाएगा ताकि अन्य विमानों के शेड्यूल में कोई बाधा न आए.

थाने पहुंचे युवक की बेरहमी से पिटाई

वीडियो वायरल होने पर कांस्टेबल के खिलाफ केस

राष्ट्रबाण

चेन्नई. तमिलनाडु पुलिस की कार्यशैली एक बार फिर सवालों के घेरे में है. शिवगंगा में हिरासत में मौत के बाद अब कल्लकुरिची से थाने के अंदर क्रूरता की एक और तस्वीर सामने आई है. इसने पूरे राज्य को झकझोर दिया है. सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने पुलिसिया हिंसा के उस सच को उजागर किया है, जो ज्यादातर दीवारों के अंदर ही दफन रह जाता है. इस मामले में कार्रवाई की जा रही है. 6 जून की इस घटना का खुलासा तब हुआ जब एक वीडियो इंटरनेट पर सामने आया. इसमें एक युवक को पुलिसकर्मी बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं. वीडियो के मुताबिक यह सबकुछ पुलिस स्टेशन के अंदर हुआ. वायरल होते ही वीडियो ने प्रशासन को हरकत में ला दिया. दबाव में आकर आरोपी कांस्टेबल मणिकंदन को सशस्त्र रिजर्व में भेज दिया गया है और उस पर केस दर्ज कर लिया गया है.

इस घटना की जड़ें एक पारिवारिक के समस्या से संबंधित हैं. कल्लकुरिची का जयपाल कुछ समय पहले दुबई गया था. वहां एक व्यक्ति विजय ने उसे नौकरी दिलाई थी. लेकिन कुछ महीनों बाद जयपाल घर लौटा तो उसकी हालत चिंताजनक थी. उसकी पत्नी मलार को शक हुआ कि विदेश में उसके साथ कुछ गंभीर हुआ है. जब उसने विजय से सवाल किया, तो जवाब की बजाय धमकियां मिलने लगीं.लोगों का कहना है कि जब तक बर्खास्तगी, गिरफ्तारी और न्यायिक जांच की मांग नहीं मानी जातीं, तब तक आंदोलन जारी रहेगा. यह मामला ऐसे वक्त पर सामने आया है जब शिवगंगा जिले में हिरासत में मौत की घटना को लेकर तमिलनाडु पुलिस पहले से ही घिरी हुई है. अब कल्लकुरिची की यह क्रूरता राज्य में पुलिस सुधार और जवाबदेही की बहस को फिर से जिंदा कर रही है.

मलार ने जब कचरापालयम थाने में शिकायत दर्ज करवानी चाही तो पुलिस ने मामले को दर्ज करने से इनकार कर दिया. थक-हार कर मलार का भतीजा विक्की थाने पहुंचा और पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए. यहीं से हालात बिगड़ गए. प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों विक्की के सवालों से इतने परेशान हो गए कि उसके साथ बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी. इस पूरी घटना को थाने में मौजूद कैमरों ने रिकॉर्ड कर लिया. इसके अलावा किसी व्यक्ति ने मोबाइल से भी फुटेज कैद की और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मी युवक को घसीटते हैं, मारते हैं और उसे इंसाफ मांगने की सजा दी जाती है. इस घटना के बाद जयपाल की तबीयत अचानक और बिगड़ गई. उन्हें कल्लकुरिची मेडिकल कॉलेज ले जाया गया. वहां तीन दिन तक वेंटिलेटर पर रखने के बावजूद उनकी मौत हो गई. मौत की खबर ने पूरे इलाके में आक्रोश फैला दिया.

कांवड़ यात्रा पर मंडरा रहा गुलदार के हमले का खतरा

प्रशासन ने शुरू की निगरानी

राष्ट्रबाण

बिजनौर, उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद में कांवड़ यात्रा से पहले गुलदारों का खतरा गहराने लगा है. इलाके में 300 से अधिक गुलदार सक्रिय हैं, जो अब तक 29 लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं. वहीं, सैकड़ों अन्य को घायल कर चुके हैं. गुलदार खेतों और सड़कों के किनारे खुलेआम घूमते नजर आ रहे हैं, जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा को भी गंभीर चुनौती उत्पन्न हो गई है.

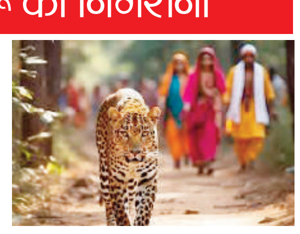

दरअसल, हर साल हरिद्वार से लाखों की संख्या में कांवड़ यात्री रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बुलंदशहर, अलीगढ़, आगरा, बरेली, काशीपुर और शाहजहांपुर जैसे जिलों के लिए बिजनौर होते हुए निकलते हैं. यही कारण है कि गुलदार के बढ़ते हमलों को देखते हुए प्रशासन ने समय रहते सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है. प्रशासन और वन विभाग ने मिलकर गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों से निगरानी शुरू कर दी है. सड़कों के किनारे और खेतों में वन विभाग की पेट्रोलिंग टीमें लगातार गश्त कर रही हैं.

झारखंड की बंद कोयला खदान में अवैध खनन के दौरान हादसा

राष्ट्रबाण

रामगढ़. झारखंड के रामगढ़ जिले में शनिवार को एक बंद पड़ी कोयला खदान में अवैध खनन के दौरान बड़ा हादसा हो गया. रामगढ़ के कुजू थाना क्षेत्र के कर्मा इलाके में तड़के एक बंद कोयला खदान का हिस्सा ढह गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई जबकि कुछ अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है. न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक रामगढ़ के एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद ने बताया कि अब तक चार शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है. हालांकि स्थानीय लोगों ने पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले तीन शवों को वहां से हटा लिया.पुलिस के अनुसार यह घटना सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (CCL) की बंद पड़ी खदान में अवैध खनन के दौरान हुई.

"आतंकी मसूद अजहर का ठिकाना पाकिस्तान को नहीं पता, भारत सबूत दे तो करेंगे गिरफ्तार"

बिलावल भुट्टो का बड़ा बयान

राष्ट्रबाण

इस्लामाबाद. पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के नेता और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अपने बयानों की वजह से अक्सर चर्चा में रहते हैं. इस बार उन्होंने आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को लेकर बड़ा बयान दिया है. बिलावल भुट्टो ने कहा कि पाकिस्तान को नहीं पता है कि जैश-ए-मोहम्मद का सरगना मसूद अजहर का ठिकाना कहां है. उन्होंने कहा कि अगर भारत, पक्के सबूत देता है कि मसूद अजहर पाकिस्तान में है तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा. बिलावल भुट्टो ने ये बात अल जजीरा को दिए एक इंटरव्यू में कही.

अफगानिस्तान में हो सकता है अजहर: बिलावल भुट्टो बिलावल भुट्टो ने कहा कि भारत ने अभी तक अजहर के पाकिस्तान में होने के कोई सबूत नहीं दिए हैं. अगर वो ऐसा करता है तो हम अजहर को गिरफ्तार करेंगे. भुट्टो ने ये भी कहा कि अजहर अफ-गानिस्तान में हो सकता है. हालांकि भुट्टो ने ये भी कहा कि अगर अफगा-निस्तान में नाटो उसे नहीं पकड़ सका, तो पाकिस्तान से ऐसा करने की उम्मीद प्रैक्टिकल नहीं है.

कौन है आतंकी मसूद अजहर? मसूद अजहर एक कुख्यात आतंकवादी और पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) का संस्थापक और सरगना है. उसका पूरा नाम मौलाना मसूद अजहर अल्वी है और उसका जन्म 10 जुलाई 1968 को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के बहावलपुर में हुआ था.

हालही में भारत की कार्रवाई में मारे गए थे मसूद अजहर के परिजन

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के ठिकाने ध्वस्त किए गए थे. भारत की इस कार्रवाई में आतंकी मसूद अजहर के 10 परिजन मारे गए थे. परिजनों की मौत पर मसूद अजहर का एक संदेश भी सामने आया था, जिसमें उसका अपने परिजनों के लिए दुख साफ दिखाई दे रहा था.

राजनीति क्या शी जिनपिंग का होने वाला है तख्तापलट?

चीन की कम्यूनीस्ट पार्टी में बड़े बदलाव की आहट

राष्ट्रबाण

बीजिंग. क्या चीन में राष्ट्रपति शी जिनपिंग का तख्तापलट होने वाला है...क्या चीन में शी जिनपिंग से सत्ता छीनने वाली है?...ये सारे सवाल इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा में हैं. इसकी वजह है चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अचानक से गायब हो जाना. आखिरकार जिनपिंग कहां लापता हो गए हैं, जो मई के आखिरी हफ्ते के बाद से दिखाई नहीं दे रहे हैं.

जिनपिंग को लेकर क्या आने वाली है बड़ी खबर?

चीन के सरकारी अखबार जिसमें हर दिन जिनपिंग-जिनपिंग ही छपता था...अब उसी अखबार में उनकी एक अदद खबर तक नहीं छप रही...जो विदेशी वीवीआईपी मेहमान चीन आ रहे हैं उनसे कम्युनिस्ट पार्टी के दूसरे नेता मीटिंग कर रहे हैं. ब्राजील में होने जा रहे ब्रिक्स समिट में भी शी जिनपिंग के शामिल नहीं होने की ऑफिसियल जानकारी दी जा चुकी है. ऐसे में शी जिनपिंग को लेकर सवाल उठने लगे हैं. चीन में नेताओं का चुपके से गायब होना हमेशा सत्ता परिवर्तन का संकेत रहा है. ऐसे में क्या जिनपिंग को लेकर भी कोई बड़ी खबर आने वाली है?

जिनपिंग को कौन कर सकता है रिप्लेस: शी जिनपिंग के चीन में बगावत के चलते कमजोर होने की खबरें सुर्खियों में हैं. अब उनके गायब होने की चर्चा है. दुनिया ये जानना चाहती है कि अगर चीन में सत्ता परिवर्तन होने वाला है...तो आखिर जिनपिंग की जगह कौन लेगा? इसमें सबसे बड़े दावेदार के तौर पर चीन के पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के जनरल झांग यूक्सिया का नाम चल रहा है...जो हाल के दिनों में जिनपिंग की मुखालफत में लगे थे. दिलचस्प बात ये है कि झांग यूक्सिया को चीन के पूर्व राष्ट्रपति हू जिंताओ का समर्थन हासिल है.

भारत पर क्या होगा असर?

ऐसे में अब सवाल ये है कि चीन में होने वाले बदलाव का भारत पर क्या असर पड़ेगा?...क्या भारत-चीन के रिश्तों में तल्खियां बढ़ सकती हैं?...क्या चीन का नया शासक अपनी धाक जमाने के लिए भारत को छेड़ने की गलती करेगा? सवाल ये भी कि आने वाले चुनौतियों से निपटने के लिए भारत क्या करेगा? इन सब सवालों के जवाब आने वाला वक्त ही दे पाएगा.

क्या 30 जून को दिखे थे जिनपिंग?

वैसे तो 20 मई से ही जिनपिंग के गायब होने की खबरें आ रही हैं, लेकिन बाद में उन्होंने जून के पहले हफ्ते में बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको से मुलाकात की थी. अभी कुछ दिन पहले ही साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने जिनपिंग का एक वीडियो जारी किया था, जिसमें वह पोलित ब्यूरो को निर्देशित करते दिखाए गए थे. चीन की कम्यूनिस्ट मीडिया के अनुसार उनका यह वीडियो 30 जून का है.

डिक्टेटर जिनपिंग से सेना में हुई बगावत

शी जिनपिंग की छवि चीन में एक डिक्टेटर की रही है, जिसने खुद को सत्ता में स्थापित करने के लिए कई नियम बनाए और बदले हैं. जिनपिंग ने कई सैन्य अधिकारियों की छुट्टी की है. साथ ही कई विरोधियों का दमन किया है. ऐसी शख्सियत का यूं गायब होना कई सवाल खड़े करता है. इसी साल जून की शुरूआत में जब जिनपिंग ने बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको से मुलाकात की थी, उसी वक्त कई चीजें पहली बार नोटिस में आई जो हालात में बदलाव के संकेत दे रहे थे. शी जिनपिंग की बॉडी लैंग्वेज डल दिख रही थी. रेड कार्पेट से चमक-दमक गायब थी, सुरक्षा कर्मियों की संख्या आधी हो चुकी थी. इसके बाद अगला संकेत तब मिला...जब उनके पिता की भव्य समाधि का आधिकारिक दर्जा भी चीन में खत्म कर दिया गया.

मेरठ मेडिकल कॉलेज में नहाते हुए युवती का वीडियो बनाया

वायरल करने की धमकी देकर करने लगा ब्लैकमेल

राष्ट्रबाण

मेरठ, मेरठ के लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज से इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक लड़की कैंसर पीड़ित मां का इलाज कराने आई थी. अस्पताल के बाथरूम में नहाते समय उसका चुपके से वीडियो बना लिया गया. आरोपी ने वीडियो भेजकर युवती को ब्लैकमेल किया और शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

दरअसल, अमरोहा की युवती अपनी मां को कैंसर के इलाज के लिए मेरठ के लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के सरदार वल्लभभाई पटेल चिकित्सालय में आई थी. यहां 11 जून को वह मेडिकल कॉलेज पहुंची. इमरजेंसी में इलाज के बाद वार्ड नंबर 11 में उसकी मां को भर्ती कर लिया गया. उस वार्ड में पहले से मुजफ्फर-नगर के रहने वाले महताब की पत्नी भर्ती थी. उसका टीबी का इलाज चल रहा था.

एक दिन युवती वार्ड के बाथरूम में नहाने चली गई. इसी बीच महताब ने अपने मोबाइल से उसका नहाते हुए वीडियो बना लिया. युवती को पता नहीं चला. कुछ दिन बाद इलाज के बाद युवती की मां को छुट्टी मिल गई और वह अपने घर लौट गई. 28 जून को युवती के मोबाइल पर कॉल आया और कॉलर ने वॉट्सएप पर युवती को एक वीडियो भेजा.

उद्धव-राज के साथ आने पर आठवले की भविष्यवाणी

राष्ट्रबाण

मुंबई. उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के मंच साझा करने पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले की प्रतिक्रिया सामने आई है. उन्होंने कहा कि दोनों मराठी के मुद्दे पर एक साथ आए हैं, यह अच्छी बात है. मराठी का हमें भी अभिमान है. मराठी हर लोगों को बोलने आना चाहिए ये बात भी सही है.

महाविकास अघाड़ी में फूट हो जाएगी- आठवले

आठवले ने दावा किया कि दोनों भाइयों के साथ आने से हमारी महायुति (एनडीए) को और भी ज्यादा फायदा है. उन्होंने दावा किया कि महाविकास अघाड़ी (MVA) में फूट हो जाएगी. कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) अलग रहेगी. उद्धव ठाकरे को वहां से बाहर आना पड़ेगा. क्योंकि राज ठाकरे का ये कहना है कि अगर हम दोनों को साथ चलना है तो और किसी की जरूरत नहीं है.

'हमारी महायुति को...'

'उद्धव ठाकरे के पास शिवसेना नहीं रही'

आठवले ने ये भी कहा, विजयी रैली तो हमें करनी चाहिए थी. इनकी विजय रैली का कोई अर्थ नहीं है. इनको लग रहा है कि हमारी रैली की वजह से ऐसा किया गया लेकिन ये बात नहीं है. सभी मराठी लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने निर्णय लिया. दोनों भाई के एक साथ आने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा. उद्धव ठाकरे के पास अब शिवसेना नहीं रही. असली शिवसेना एकनाथ शिंदे की है. इसलिए बहुत सारे लोग एकनाथ शिंदे के साथ हैं. 40 विधायक एकनाथ शिंदे के साथ आए.

'देखते हैं कितनी देर साथ रहते हैं'

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, दोनों एक साथ आए हैं. देखते हैं कि कितनी देर एक साथ रहते हैं. जिस मराठी भाषा के मुद्दे पर इन्होंने रैली रखी थी उसकी हवा निकालने का काम सीएम देवेंद्र फडणवीस ने किया है. रैली के पहले ही देवेंद्र फडणवीस ने स्कूलों में हिंदी पढ़ाने का जो सरकारी आदेश निकला था उसे रद्द कर दिया.

'राज ठाकरे के पास अभी एक भी विधायक नहीं'

इसके साथ ही उन्होंने कहा, राज ठाकरे की बहुत बड़ी बड़ी सभाएं होती हैं. बहुत अच्छी बात है. एक वक्ता के रूप में राज ठाकरे मजबूत नेता हैं. लेकिन उनको वोट नहीं मिलता. अभी तो उनका एक भी विधायक नहीं है. एक बार तो 13 एमएलए चुनकर आए थे. दोनों के एक साथ आने से महाराष्ट्र की राजनीति में कोई फर्क नहीं पड़ेगा. फर्क पड़ेगा तो महाविकास अघाड़ी पर पड़ेगा.

'मुंबई में जो दादागिरी शुरू हुई है, वह तुरंत रुकनी चाहिए'

भाषा विवाद पर भड़के आठवले

राष्ट्रबाण

मुंबई. महाराष्ट्र में एक बार फिर हिंदी बनाम मराठी भाषा विवाद ने तूल पकड़ लिया है. इसके चलते राज्य की राजनीति में बयानबाजी भी तेज हो गई है. इसी बीच केंद्रीय मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (RPI) के अध्यक्ष रामदास आठवले ने इस विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया दी है.उन्होंने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा, ₹मुंबई में इन दिनों भाषा के नाम पर जो दादागिरी शुरू हुई है, वह तुरंत रुकनी चाहिए.रामदास आठवले ने मराठी भाषा को लेकर सम्मान प्रकट करते हुए कहा कि मराठी भाषा का सम्मान हम सबका गर्व है. साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि किसी को कोई भाषा नहीं आती, इसलिए उसे सताना या डराना अपराध है. आठवले ने अपने बयान का अंत 'जय भीम, जय महाराष्ट्र' के नारों के साथ किया और कहा कि समाज को जोड़ने की जरूरत है, तोड़ने की नहीं. गौरतलब है कि हाल के दिनों में मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भाषा के मुद्दे पर कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें हिंदी बोलने वाले लोगों से बदसलूकी या मारपीट की खबरें आईं.

अन्याय तत्काल बंद होना चाहिए- आठवले

केंद्रीय मंत्री ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, "यहां अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले, गरीब व्यापारी और मेहनतकश कामगार रहते हैं. उन पर हो रहा अन्याय तत्काल बंद होना चाहिए." उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि भाषा के नाम पर हो रही ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि समाज में एकता, सम्मान और समानता बनी रहे. उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की घटनाएं मुंबई की सदियों पुरानी 'सर्वधर्म समभाव' और 'सांस्कृतिक एकता' की पहचान को चुनौती देती हैं.

'रुको, मैं अभी तुम्हारा खेल खेलूंगा'

मशहूर रील स्टार पर जानलेवा हमला

राष्ट्रबाण

पुणे. राज्य की सांस्कृतिक राजधानी पुणे में अपराध कम होते नहीं दिख रहे हैं. आए दिन हाथ में धारदार हथियार लिए बदमाशों द्वारा हत्या और बलात्कार जैसी घटनाएं होती रहती हैं. इसी बीच, वाघोली के रील स्टार आकाश उर्फ आक्या बंसोड़े पर तीन लोगों ने धारदार हथियार से हमला कर दिया. इस हमले में आकाश बंसोड़े गंभीर रूप से घायल हो गए और

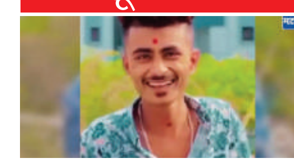

फिलहाल उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है. वाघोली पुलिस और क्राइम ब्रांच की यूनिट 6 ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीनों हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया है. आकाश बंसोड़े वाघोली इलाके के बाइक रोड में रहते हैं. उबाले नगर में हीरो मोटर शोरूम के सामने उनकी मेन्स वियर कपड़ों की नई दुकान है. गुरुवार रात आकाश बंसोड़े अपनी दुकान पर थे. 'रुको, तुम बस अपना खेल खेल रहे हो.' इन तीनों ने आकाश बनसोड़े को जान से मारने की कोशिश में पीछे से उसके सिर पर भौंहों के पास, होठों के पास और जांघ पर धारदार हथियार से वार किया.

चोरी के संदेह में हिरासत में युवक

आत्महत्या का किया प्रयास

राष्ट्रबाण

मुंबई. चोरी के संदेह में हिरासत में लिए गए एक युवक ने चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन में हंगामा किया. 2 जुलाई को हुई इस घटना में अक्षय गायकवाड़ नामक युवक ने ब्लेड से अपनी गर्दन काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की. उसके परिवार के सदस्यों ने पुलिस के साथ गाली-गलौज और मारपीट की. पुलिस ने अक्षय गायकवाड़ और उसके परिवार के 3 सदस्यों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने का मामला दर्ज किया है. लालडोंगर इलाके में एक घर में चोरी की घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी. सीसीटीवी फुटेज में संदिग्ध रूप से घूमते हुए अक्षय को हिरासत में लिया गया था. लालडोंगर इलाके में एक घर से सोने के गहने और नकदी चोरी हो गई थी. पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की. जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में अक्षय गायकवाड़ अपने साथियों के साथ संदिग्ध रूप से घूमते हुए दिखाई दिया. चोरी के बाद अक्षय गायब हो गया, जिससे पुलिस का उस पर शक और बढ़ गया.

फास्ट ट्रैक

पुणे 'मिसिंग लिंक' पर भड़के चंद्रकांत पाटिल

राष्ट्रबाण

पुणे. एरंडवाने में राजपूत वीटभट्टी रोड को चौड़ा करने, कोथरुड विधानसभा क्षेत्र के चांदनी चौक में एकलव्य कॉलेज को हाईवे से जोड़ने वाली सड़क, कासपेट वस्ती, भीमनगर कॉलोनी, कर्वेनगर में शिवने-खराडी रोड और बाणेर-बालेवाड़ी रोड की 'मिसिंग लिंक' को जोड़ने के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की समीक्षा करते हुए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने मनपा में आयोजित समीक्षा बैठक में आक्रामक रुख अपनाया. उन्होंने चेतावनी भी दी कि 'जब तक ये मिसिंग लिंक नहीं जुड़ जातीं, मैं भूत की तरह पीछा करता रहूंगा.' पाटिल ने मनपा आयुक्त नवल-किशोर राम के कार्यालय में समीक्षा बैठक की. इस अवसर पर शहर अभियंता प्रशांत वाघमारे और सड़क, परियोजना, भूमि अधिग्रहण विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे. पाटिल ने उपस्थित लोगों से एरंडवाने में राजपूत ईंट भट्टी मार्ग के चौड़ीकरण, चांदनी चौक, कस्पाते वस्ती, भीमनगर वसाहत, कर्वेनगर में शिवने-खराडी मार्ग पर एकलव्य महा-विद्यालय को राजमार्ग से जोड़ने वाली सड़क तथा बाणेर-बालेवाड़ी मार्ग के मिसिंग लिंक के बारे में जानकारी ली. एरंडवाने में राजपूत ईंट भट्टी मार्ग के चौड़ीकरण तथा चांदनी चौक से एकलव्य महाविद्यालय को राजमार्ग से जोड़ने वाली सड़क के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है.

'लोगों की इच्छा है कि राज-उद्धव एक साथ आएं'

ठाकरे भाइयों के पक्ष में मंत्री छगन भुजबल?

राष्ट्रबाण

नासिक.मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे और शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे अब एक हो गए हैं. ठाकरे बंधु आज मुंबई में एक साथ आए और एक रैली की. इस रैली में दोनों भाइयों ने भाषण दिए. दोनों ठाकरे भाइयों ने अपने भाषणों में भाजपा और सरकार की आलोचना की. इसी के चलते भाजपा नेता ठाकरे बंधुओं की रैली पर निशाना साध रहे हैं. वहीं, राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, जो सरकार में भी शामिल हैं, ने ठाकरे बंधुओं के एक साथ आने पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी. भुजबल ने कहा कि लोग चाहते हैं कि दोनों भाई एक साथ आएं. फिर भी, क्या दोनों भाई वाकई एक साथ आएंगे? छगन भुजबल ने यह भी पूछा.

यह स्वाभाविक है. मूल शिवसेना का जन्म मराठी मुद्दे पर हुआ था. आज राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे इसी मुद्दे पर मिल रहे हैं. मैं उन्हें इस बैठक के लिए शुभकामनाएं देता हूं. मनसैनिक और शिवसैनिक एक साथ आने के इच्छुक हैं. लोग चाहते हैं कि दोनों भाई एक साथ आएं. हमारा ईमानदारी से मानना है कि उन्हें एक साथ आना चाहिए. लेकिन क्या ऐसा होने वाला है? छगन भुजबल ने पूछा.

छगन भुजबल ने कहा, ₹क्या राज ठाकरे के अलग होने का कारण हल हो गया है, क्या यह खत्म हो गया है? वे एक कार्यक्रम के लिए साथ आए हैं. क्या वे चुनाव के लिए साथ आएंगे? मुझे नहीं पता. क्या साथ आना संभव है? समय बताएगा. अब दोनों ने यह कह दिया है. मराठी मुद्दा हमारे झगड़े से ज्यादा महत्वपूर्ण है. दिल से साथ आना अलग बात है, क्या वे मुद्दे हल हो गए हैं जिन पर वे अलग हुए थे? हो सकता है कि वे मुद्दे आगे चलकर हल हो जाएं. वे बैठकों और रैलियों के लिए साथ आए हैं. लेकिन यह लोगों की इच्छा है कि वे एक साथ आएं. यह लोगों की इच्छा है कि वे एक साथ आएं, छगन भुजबल ने कहा.

इस दौरान छगन भुजबल ने उद्योगपति सुशील केडिया के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी. छगन भुजबल ने कहा, मराठी लोग जिस राज्य में जाते हैं, वहां की भाषा बोलते हैं. यह सही नहीं है कि वे मराठी नहीं बोलेंगे. जो लोग कहते हैं कि वे मराठी नहीं बोलेंगे, वे विदेश जाकर अंग्रेजी बोलते हैं.

कोंढवा 'पीड़ित' आरोपी की फोटो देखकर 2 मिनट के लिए सन्न रह गया

राष्ट्रबाण

पुणे. पुलिस जांच में पता चला है कि कोंढवा में कंप्यूटर इंजीनियर लड़की से दुष्कर्म के मामले में पीड़िता ने जिस 'कूरियर बॉय' का जिक्र किया है, वह दरअसल उसका दोस्त है. पुलिस कमिश्नर अमितेश कुमार ने बताया कि 'आरोपी फिलहाल पुलिस की हिरासत में है और मामले की जांच जारी है.' इस बीच, घटना के दिन किसी भी तरह के स्प्रे का इस्तेमाल नहीं किया गया. इसके अलावा, लड़की के मोबाइल फोन में मिली सेल्फी फोटो उसकी सहमति से ली गई थी और उसके नीचे लिखे संदेश को भी लड़की ने स्वीकार किया है, कमिश्नर ने कहा.

पुलिस कमिश्नर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक एक नामी मल्टीनेशनल कंपनी में अच्छे पद पर कार्यरत है. वह पिछले एक साल से पीड़िता के संपर्क में था. दोनों की मुलाकात एक सामाजिक समारोह में हुई थी. वे फोन और सोशल मीडिया पर लगातार एक-दूसरे के संपर्क में थे. जांच में यह भी पता चला कि वह पीड़िता के घर आता-जाता था. इतना ही नहीं, वह अक्सर 'फूड डिलीवरी ऐप' के जरिए पीड़िता के घर से खाना मंगवाता और भेजता था.

घटना वाले दिन वह शाम करीब 7:15 बजे सोसायटी में घुसते और करीब 8:45 बजे निकलते हुए सीसीटीवी में कैद हुआ था. पुलिस ने जब उसका फोटो दिखाया तो युवती ने कहा कि वह उसे नहीं पहचानती. हालांकि, कुछ देर के लिए वह स्तब्ध रह गई.

नौकरी के लिए फर्जी सर्टिफिकेट बनाया

पुलिस ने 2 आरोपियों को दबोचा

राष्ट्रबाण

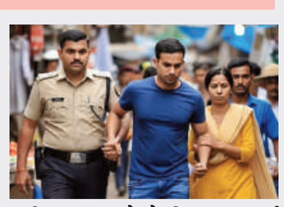

मुंबई. मुंबई क्राइम ब्रांच ने जाली पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट (पीसीसी) बनाने और उसका इस्तेमाल कर सरकारी नौकरी हासिल करने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों की पहचान देबज्योति बासु और अनूप डब्ल्यू के रूप में हुई है.

दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया,जहां कोर्ट ने दोनों आरोपियों को 8 जुलाई तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया. मुंबई पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने कथित तौर पर जाली पीसीसी बनाए,जिन पर मुंबई पुलिस स्पेशल ब्रांच की जाली मुहरें और हस्ताक्षर थे, फिर इन जाली प्रमाणपत्रों को एक ठेकेदार के माध्यम से रोजगार पाने के लिए कोलाबा में नौसेना कार्यालय में धोखाधड़ी से जमा किया गया.इस मामले में पुलिस अधिकारी अविनाश गावड़े ने शिकायत दर्ज कराई थी, गावड़े ने आरोप लगाया कि जाली दस्तावेज नरीमन पॉइंट स्थित आकाश इंफ्राटेक के कार्यालय में तैयार किए गए थे. पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब जमा किए गए पीसीसी की जांच की गई तो जालसाजी का पता चला और पाया गया कि वे फर्जी हैं, इस खुलासे के बाद मुंबई के कफ परेड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज की गई और बाद में मामले को जांच के लिए क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया.

आरोपियों के खिलाफ BNS की धारा 318(1), 335, 336(2), 337, 339 और 340(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच में जुट गई है.

केडिया के बयान पर भड़के MNS कार्यकर्ता

ऑफिस में की तोड़फोड़

राष्ट्रबाण

मुंबई.मुंबई में शुक्रवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के कार्यकर्ताओं ने जाने-माने इन्वेस्टर सुशील केडिया के कार्यालय में तोड़फोड़ की. यह घटना तब सामने आई जब केडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूरव में ट्वटिर) पर एक पोस्ट करते हुए MNS प्रमुख राज ठाकरे को टैग किया और लिखा, मैं मराठी नहीं सीखूंगा, देखें कौन क्या कर लेता है. केडिया की इस टिप्पणी के बाद MNS कार्यकर्ताओं में गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने केडिया के इस बयान को मराठी भाषा और मराठी अस्मिता का अपमान माना. शनिवार को उन्होंने केडिया के कार्यालय में तोड़फोड़ कर डाली. हालांकि, MNS नेतृत्व की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है.

क्या कहा था सुशील केडिया ने?

केडियोनॉमिक्स के संस्थापक सुशील केडिया एक प्रतिष्ठित निवेश सेवा के संस्थापक हैं. उन्होंने X पर पोस्ट किया था कि वे मराठी ठीक से नहीं बोल पाते हैं. राज ठाकरे, सैकड़ों कार्यकर्ताओं से मुझे धमकाकर आप मुझे मराठी नहीं सिखा सकते. डर नहीं, बल्कि प्यार ही लोगों को जोड़ता है. एक अन्य पोस्ट में उन्होंने मुंबई पुलिस आयुक्त को टैग कर यह भी आरोप लगाया कि उन्हें कई थानों से कॉल आ रहे हैं और उनकी लोकेशन पूछी जा रही है, जिसे उन्होंने डर्टी ऑपरेशन₹ कहा.

कौन हैं केडिया

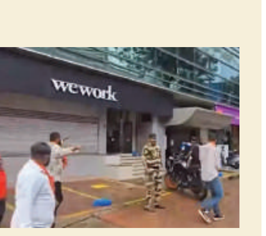

केडिया का जिक्र आज के सामना संपादकीय में भी है. सुशील केडिया शेयर बाजार और निवेश मामलों के विशेषज्ञ माने जाते हैं. पिछले 25 वर्षों से वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बैंकों के साथ कार्यरत हैं. वे Market Technician Association के निदेशक मंडल में शामिल होने वाले एशिया के पहले व्यक्ति हैं. उन्होंने 'Kedianomics' नामक एक रिसर्च फर्म की स्थापना की है, जो शेयर बाजार से संबंधित सेवाएं प्रदान करती है.

भाषा विवाद पर पवार की सफाई

वहीं भाषा विवाद को लेकर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजीत पवार ने कहा, हमारा देश विविध जातियों, धर्मों और भाषाओं का देश है. यहां अलग-अलग राज्यों में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं. भारत में कुल 14 भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है. उन्होंने कहा था कि हमारे महाराष्ट्र राज्य की मातृभाषा मराठी है. पवार ने कहा कि मराठी को 'अभिजात भाषा' का दर्जा दिलाने के लिए वर्षों से प्रयास किए जा रहे थे. बाकी भाषाओं को यह दर्जा पहले ही मिल चुका था, लेकिन मराठी को यह सम्मान मिलने में देरी हुई.

ड्रग तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

74 किलो गांजा जब्त

राष्ट्रबाण

ठाणे.रेलवे या अन्य मार्गों के माध्यम से दूसरे राज्यों से शहरों में विभिन्न प्रकार के नशीले पदार्थों की तस्करी की जा रही है. नतीजतन, नशीली दवाओं का खतरा और भी बढ़ गया है. नशीले पदार्थों में गांजा की तस्करी में और भी इजाफा हुआ है. पिछले 18 महीनों में ठाणे पुलिस ने 1200 किलो से ज्यादा गांजा जब्त किया है. ठाणे क्राइम ब्रांच की भिवंडी यूनिट ने गुरुवार को भिवंडी में एक ऑपरेशन में फैजल अंसारी (44), अब्दुल मुजाहिद अंसारी (20), अनवर अंसारी (34) को गिरफ्तार किया. उनके पास से 37 लाख 37 हजार रुपये कीमत का 74 किलो 548 ग्राम गांजा जब्त किया गया है.

पुलिस को सूचना मिली थी कि फैजल अब्दुल को गांजा बेचने आ रहा है. आरोपी भिवंडी, कल्याण इलाके में रहता है और पूछताछ में पता चला कि फैजल ओडिशा से गांजा लेकर आया था. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फैजल के खिलाफ पहले भी ड्रग्स से जुड़े दो मामले दर्ज हैं.

पिछले कुछ पुलिस अभियानों से यह स्पष्ट हो चुका है कि गांजा दूसरे राज्यों से लाया जा रहा है और नक्सल प्रभावित इलाकों से इसकी तस्करी की जा रही है. गांजा तस्करी के लिए रेलवे का इस्तेमाल किया जा रहा है और ट्रेनों में यात्रियों की भारी भीड़ होती है. साथ ही यात्रियों के सामान की जांच नहीं की जाती. इसका फायदा तस्कर उठा रहे हैं. कई बार तस्कर पुलिस के हाथ लग भी जाते हैं.हालांकि, तस्करी के पीछे मुख्य मास्टरमाइंड की पहचान नहीं हो पा रही है. नतीजतन, कहा जा रहा है कि तस्करी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है. ठाणे पुलिस ने 2024 से इस साल जून के बीच 1,289 किलो गांजा जब्त किया है और कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है.

राजनीति ऐसा पहली बार हो रहा है

अजित वो करेंगे जो शरद पवार जीवन भर टालते रहे

राष्ट्रबाण

बारामती. जैसी कि उम्मीद थी, उप-मुख्यमंत्री अजित पवार आज मालेगांव सहकारी शक्कर कारखाने के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए! यह पहली बार है कि पवार परिवार से राजनीतिक सत्ता में किसी व्यक्ति ने सहकारी शक्कर कारखाने के अध्यक्ष का पद स्वीकार किया है. बेशक, मालेगांव सहकारी शक्कर कारखाने के चुनाव में जरूरत को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने चुनाव से पहले ही अध्यक्ष के रूप में उनके नाम की घोषणा कर दी थी. इसलिए यह चुनाव प्रतिष्ठापूर्ण था. इस चुनाव में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पैनल ने जीत हासिल की. उनके पैनल ने 21 में से 20 सीटें जीतीं. उसके बाद, मालेगांव सहकारी शक्कर कारखाने के अध्यक्ष पद के लिए आज आयोजित निदेशक मंडल की बैठक में चुनाव अधिकारियों ने घोषणा की कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे, और उनका चुनाव निर्विरोध घोषित किया गया.

राज्य में अब तक कई मंत्री अपने-अपने चीनी कारखानों के अध्यक्ष पद पर रह चुके हैं. इनमें राधाकृष्ण विखे पाटिल, हर्षवर्धन पाटिल, हसन मुश्रीफ, बालासाहेब पाटिल, बालासाहेब थोरात और कई अन्य शामिल हैं. बेशक, चूंकि यह पहली बार था कि उपमुख्यमंत्री पद पर आसीन कोई व्यक्ति, और खासकर पवार परिवार का कोई व्यक्ति, किसी सहकारी कारखाने के अध्यक्ष पद पर आसीन हुआ था, इसलिए पूरे राज्य की नजर इस ओर थी.बारामती विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक पुनर्गठन को देखते हुए कहा जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार मालेगांव सहकारी शक्कर कारखाने का इस्तेमाल बारामती पर अपनी पकड़ को और मजबूत करने के लिए करेंगे और कहा जा रहा है कि अजित पवार ने इसी के तहत यह फैसला लिया है. इस बीच कारखाने के चुनाव से पहले एनसीपी से पांच से छह लोगों ने अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरे थे.

अजीत पवार का अध्यक्ष के रूप में चुनाव अवैध - टावरे

अजीत पवार को अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद चंद्रराव टावरे ने अजीत पवार के चुनाव पर आपत्ति जताई है. उपमुख्यमंत्री अजीत पवार को मालेगांव सहकारी शक्कर कारखाने का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. हालांकि नियुक्ति से पहले ही चंद्रराव टावरे ने अजीत पवार के नाम पर आपत्ति जताई थी. 'बी' श्रेणी का व्यक्ति अध्यक्ष नहीं हो सकता. यह औरंगाबाद पीठ का फैसला है. टावरे ने कहा. साथ ही अजीत पवार की नियुक्ति के बाद चंद्रराव टावरे ने यह कहते हुए बैठक से बाहर चले गए कि काम नियमों के मुताबिक होना चाहिए.

उद्धव ठाकरे अफजल खान जैसे लगते हैं

नितेश राणे की सीधी आलोचना

राष्ट्रबाण

सिंधुदुर्ग. उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के एक मंच पर आने के बाद मंत्री नितेश राणे ने बड़ी टिप्पणी की है. नितेश राणे ने कहा कि जब महा विकास अघाड़ी की सरकार थी, तब सुप्रिया सुले ने कहा था कि अकेले देवेंद्र क्या करेंगे?आज यह कहावत चरितार्थ हो गई है. राणे ने यह भी कहा कि बालासाहेब का आशीर्वाद फडणवीस के सिर पर है. उद्धव ठाकरे ने कहा कि दूरियां खत्म हो गई हैं. पति कौन है और पत्नी कौन है? आप उद्धव ठाकरे की हरकतों से समझ सकते हैं. क्या बालासाहेब को अच्छा लगता अगर ठाकरे के मंच पर कोंबरेड और समाजवादी विचारों के लोग होते? उन्होंने बड़ा सवाल उठाया.

आगे बोलते हुए नितेश राणे ने कहा, आपकी बैठक में जो व्यक्ति मौजूद था, उससे पूछिए कि मुंब्रा में मराठी कब अनिवार्य की जाएगी. मुंब्रा के एक युवक को पीटा गया और उसे हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया गया. 9 महीने पहले चुनाव हुए थे, जिसमें महायुति ने ऐतिहासिक जीत हासिल की थी. लोगों द्वारा दिए गए ऐतिहासिक वोट के आधार पर अगले चुनाव की भविष्यवाणी करें. लोगों ने हमारे जैसे पत्थर के चेहरे वाले लोगों को विधानसभा में बिठाया है, हम लोगों के दिमाग में हैं. पत्थर के चेहरे वाले लोगों को बोलकर उद्धव ठाकरे ने लोगों का अपमान किया है.

उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे को किस तरह की परेशानी दी और आज उद्धव ठाकरे को उनके सामने नाक रगड़नी पड़ी. अब बस मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन करना बाकी है, नितेश राणे ने कहा. उन्होंने आगे कहा, ₹हिंदू समुदाय करीब से देख रहा है. जनता आपको नगर निगम के चुनाव में दिखाएगी. राज साहब की सड़कों पर ताकत उन्हें चौंका दे. मोदी और फडणवीस बालासाहेब के सपने को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं. अगर आज बालासाहेब होते तो मैं अपना घर बचाने के लिए देवेंद्र फडणवीस को गले लगाता. हमारे राज्य में मराठी अनिवार्य है. आज मोहम्मद अली रोड पर हिंदुओं को बांटने के लिए पटाखे फोड़े गए, और हिंदू बंटने से खुश हुए होंगे. क्या उद्धव ठाकरे को 1500 नहीं मिले? उनके घर का इस्तेमाल मुख्यमंत्री की प्यारी बहन योजना चलाने के लिए नहीं किया जाएगा.

कोर्ट

65 साल के एक्टर संग दिखेंगी बजरंगी भाईजान की मुन्नी

साल 2015 में सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' से बाल कलाकार के तौर पर शुरुआत करने वाली हर्षाली मल्होत्रा, जो 'मुन्नी' के किरदार से मशहूर हुईं, अब बड़ी हो गई हैं। वह अपनी दूसरी फिल्म करने जा रही हैं। अपनी नई फिल्म में हर्षाली मल्होत्रा 65 साल के एक्टर के साथ काम करेंगी। 'बजरंगी भाईजान' में हर्षाली ने सिर्फ सात साल की उम्र में सलमान खान के साथ काम किया और वह फैंस की पसंदीदा बन गईं। इस फिल्म में उनका एक भी डायलॉग नहीं था, फिर भी उन्हें खूब प्यार मिला।

अब दस साल बाद हर्षाली फिर से पर्दे पर लौट रही हैं। बजरंगी भाईजान में मुन्नी का रोल निभाने के बाद वह लोगों के दिलों में राज करने लगी और उन्हें लोगो ने खूब प्यार दिया। हर्षाली मल्होत्रा को साउथ की फिल्म 'अखंडा 2' में मुख्य भूमिका मिली है। इसमें वह 'बसंत सनी' नाम की लड़की का किरदार निभाती नजर आएंगी। हर्षाली ने खुद इसका पोस्टर अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। यह उनकी पहली तेलुगु फिल्म है।

'अखंडा 2' में साउथ के सुपरस्टार नंदामुरी बालकृष्ण भी अहम रोल में नजर आएंगे। पहले पार्ट 'अखंडा' में नंदामुरी को डबल रोल में देखा गया था। हर्षाली 17 साल की हैं और 'अखंडा 2' उनकी पहली तेलुगु फिल्म है। इसके अलावा, वह टीवी शो 'कुबूल है' और 'लौट आओ तृषा' में भी काम कर चुकी हैं।

यह हर्षाली के लिए एक बड़ा कदम है, क्योंकि वह अब एक बड़े एक्टर के साथ काम करेंगी, जो 65 साल के हैं। 'बजरंगी भाईजान' में मुन्नी के रूप में उनका मासूम चेहरा लोगों के दिलों में बस गया था, और अब वह एक नए और बड़े किरदार में दर्शकों के सामने आ रही हैं।

रिलीज से पहले ही वॉर 2 ने मचाया तहलका

ऋतिक रोशन की फिल्म वॉर की रिलीज को 6 साल पूरे हो चुके हैं. 6 साल पहले आई ऋतिक की फिल्म ने काफी शानदार कलेक्शन किया था. इसमें ऋतिक के अपोजिट टाइगर श्रॉफ भी नजर आए थे. अब इस फिल्म का सीक्वल आने जा रहा है जिसमें टाइगर की जगह जूनियर एनटीआर को रिप्लेस किया गया है. इसकी रिलीज में अब ज्यादा दिन का वक्त नहीं बचा है. फिल्म को लेकर डिटेल्स आनी भी शुरू हो गई हैं. अब वॉर 2 को लेकर एक ऐसी डिटेल सामने आई है जिसे सुन आप हैरान रह सकते हैं. वॉर 2 ने रिलीज के पहले ही एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है जो अब तक के इतिहास में कोई भी भारतीय फिल्म नहीं बना सकी है.ऋतिक रोशन ऐसे एक्टर हैं जो साल में कम फिल्में ही करते हैं. उनकी फिल्मों का इंतजार फैंस को हमेशा से रहता है. अब साल 2025 में वे धमाका लेकर आ रहे हैं. अपनी सक्सेसफुल फिल्म वॉर के सीक्वल के लिए ऋतिक तैयार हैं. इसी के साथ उनकी ये फिल्म रिलीज के पहले ही एक बड़ा रिकॉर्ड सेट करने जा रही है. वाईआरएफ फ्रेंचाइजी की ये फिल्म दुनियाभर में कुल 7500 स्क्रीन्स पर रिलीज की जाएगी. ऐसा पहले कभी भी किसी भी हिंदी फिल्म के साथ देखने को नहीं मिला है. ये पहला मौका है जब किसी फिल्म को दुनियाभर में इतने बड़े पैमाने पर रिलीज किया जाएगा.वॉर 2 फिल्म की बात करें तो इसका डायरेक्शन आयन मुखर्जी कर रहे हैं. वे कई सुपरहिट फिल्में दे चुके हैं. अब वे वॉर 2 के साथ स्वतंत्रता दिवस के दिन बॉक्स ऑफिस पर आंधी लाने के लिए तैयार हैं. फिल्म के पहले पार्ट की बात करें तो इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भारत में 300 करोड़ का कलेक्शन किया था जबकी विदेशों में फिल्म ने 175 करोड़ कमाए थे. फिल्म का टोटल कलेक्शन 475 करोड़ रुपए रहा था.

अर्जुन की बहन अंशुला ने रचाई सगाई

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर ने फैंस के साथ अपनी जिंदगी की एक बेहद खूबसूरत खबर शेयर की है। जी हां, आखिरकार वो पल आ ही गया, जिसका इंतजार अर्जुन कपूर बेसब्री से कर रहे थे। अब जल्द ही कपूर खानदान में शादी की शहनाइयां गूंजने वाली हैं। अंशुला कपूर ने अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड रोहन ठक्कर के साथ सगाई कर ली है। अंशुला ने इंस्टाग्राम पर न्यूयॉर्क में हुई सगाई की कुछ प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में दोनों अपनी इंगेजमेंट रिंग्स दिखाते नजर आ रहे हैं। रोहन ने घुटनों के बल बैठकर अंशुला को बेहद रोमांटिक अंदाज में प्रपोज किया और फिर दोनों ने एक-दूसरे को किस भी किया। फोटो शेयर करते हुए अंशुला ने अपनी लव स्टोरी भी बताई। उन्होंने लिखा- हमारी मुलाकात एक डेटिंग ऐप के जरिए हुई थी।अंशुला ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए आगे लिखा- मैं अपने सबसे अच्छे दोस्त से सगाई कर रही हूं! मेरा सुकून भरा कोना, मेरा अपना इंसान, मेरी फेवरेट जगह और अब, उन्होंने अपनी पहली मुलाकात से जुड़ा एक मजेदार किस्सा भी बताया- हमारी पहली बातचीत बर्गर को लेकर हुई थी, इसलिए सगाई के बाद पहली डिश भी बर्गर ही थी।

सुशांत की तरह टारगेट किए जा रहे हैं कार्तिक

कार्तिक आर्यन एक आउटसाइडर हैं और इस वक्त वो लगातार काम कर रहे हैं। ऐसा काफी कम होता है कि किसी आउटसाइडर को इंडस्ट्री में आसानी से काम मिलता है। लेकिन अब शाहरुख खान के बाद कार्तिक आर्यन ने ये कारनामा किया है और लगातार अच्छा कर रहे हैं। लेकिन अमाल मलिक ने इस वक्त कुछ ऐसा कह डाला है कि सभी काफी टेंशन में आ गए हैं। अमाल ने सुशांत सिंह राजपूत का नाम लेते हुए कार्तिक आर्यन के फैंस को परेशान कर दिया है। उनकी मानें तो जिस तरह से सुशांत सिंह राजपूत का मनोबल गिराया गया था, वही कार्तिक के साथ हो रहा है। मशहूर सिंगर और संगीतकार अमाल मलिक अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। अमाल का खुले शब्दों में कहना है कि कई ऐसे फिल्म निर्माता और अभिनेता हैं जो कि कार्तिक आर्यन को दरकिनार करके उसका कॉन्फिडेंस खत्म करना चाहते हैं। अमाल का कहना है कि, इंडस्ट्री ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के दिमाग और आत्मा को इसी तरह से काफी दुखी किया गया था।

घर पर आध्यात्मिक मूड में नजर आईं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड में जब भी टॉप एक्ट्रेसेस का नाम लिया जाता है तो कैटरीना कैफ भी इस लिस्ट में आती हैं। जी हां, कैटरीना कैफ यूं तो अभी फिल्मों में एक्टिव नहीं हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'मेरी क्रिसमस' थी, जिसमें वो विजय सेतुपति के साथ नजर आई थीं। इसके बाद वो किसी फिल्म में नजर नहीं आई, तो इन दिनों क्या कर रही हैं कैटरीना कैफ? कैटरीना कैफ की हाल ही में कुछ फोटोज वायरल हो रही हैं और इन फोटोज में वो सफेद साड़ी पहने भगवद् गीता पढ़ती नजर आ रही हैं। तो क्या वाकई में कैटरीना कैफ भगवद् गीता पढ़ रही हैं और ये सवाल आपके भी मन में कौंध रहा है तो बता दें कि ऐसा बिलकुल भी नहीं है। आपको बता दें, कैटरीना कैफ की ये फोटोज एआई द्वारा जनरेटेड है, लेकिन इन फोटोज को देखकर ऐसा लग रहा है कि वो असल में भगवद् गीता पढ़ रही हों। लेकिन ऐसा बिलकुल भी नहीं है। उनकी ऐसी कोई भी फोटो सामने नहीं आई हैं, जिसमें वो गीता पढ़ती हुई नजर आ रही हैं.

विवेक रंजन अग्निहोत्री ने रिलीज़ किया द बंगाल फाइल्स

विवेक रंजन अग्निहोत्री को भारतीय सिनेमा के सबसे साहसी और बेबाक फिल्ममेकरों में गिना जाता है। अपनी बोल्ड कहानी कहने की शैली और सच को सामने लाने की हिम्मत के लिए मशहूर अग्निहोत्री ने अब तक कई ऐसे विषयों पर फिल्में बनाई हैं जो मेनस्ट्रीम की कहानियों को चुनौती देते हैं और छुपे हुए सच को सामने लाते हैं।

द ताशकंद फाइल्स और द कश्मीर फाइल्स जैसी दो तीखी और असरदार फिल्मों के बाद अब वह अपनी 'ट्रुथ ट्रिलॉजी' के आखिरी और सबसे विस्फोटक चैप्टर द बंगाल फाइल्स के साथ तैयार हैं। जैसे-जैसे द बंगाल फाइल्स अपनी रिलीज़ के करीब पहुंच रही है, मेकर्स ने एक बड़ा ऐलान किया है। फिल्म की भारत में भव्य रिलीज़ से पहले इसका इंटरनेशनल प्रीमियर किया जाएगा, जिसकी शुरुआत एक मेगा यूएसए टूर से होगी। हाल ही में विवेक रंजन अग्निहोत्री ने 'नेवर अगेन' टूर का एक दमदार प्रमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें द ताशकंद फाइल्स, द कश्मीर फाइल्स और द बंगाल फाइल्स के ट्रेलर की झलकियां शामिल थीं। इस वीडियो में अमेरिका के अलग-अलग शहरों में होने वाले प्रीमियर की तारीखें और लोकेशन भी रिलीज की गई हैं।नेवर अगेन टूर के तहत द बंगाल फाइल्स का अमेरिका में 10 बड़े शहरों में ग्रैंड प्रीमियर होगा। इसकी शुरुआत 19 जुलाई को न्यू जर्सी से होगी और समापन 10 अगस्त को ह्यूस्टन में होगा। इसके बीच शिकागो, अटलांटा, वॉशिंगटन डीसी, रैले, टैम्पा, फीनिक्स, लॉस एंजेलिस और सैन फ्रांसिस्को बे एरिया जैसे प्रमुख शहरों में भी प्रीमियर होंगे। फिल्म को लेकर विदेशों में जबरदस्त उत्साह है, जिसके चलते विवेक रंजन अग्निहोत्री को कई इंटरनेशनल प्रीमियर के लिए आमंत्रण मिल रहे हैं। अपनी बेबाक और साहसी कहानी कहने के अंदाज़ के लिए पहचाने जाने वाले अग्निहोत्री द बंगाल फाइल्स में एक और दबी हुई सच्चाई को सामने लाने वाले हैं.

अक्षय के प्रैंक में फंसकर डर गए सुधांशु पांडे हालत हुई ख़राब

एक्टर सुधांशु पांडे ने टीवी के पॉपुलर शो अनुपमा में वनराज शाह का दमदार किरदार निभाया था. उन्होंने जब इस शो को छोड़ा था, तो उनके फैंस काफी निराश हो गए थे. भले ही शो में उनका किरदार नेगेटिव था, लेकिन उनके काम ने सभी को काफी इंप्रेस किया था. सुधांशु को बीते दिनों करण जौहर के शो द ट्रेटर्स में देखा गया था. एक्टर कई फिल्मों में भी काम कर चुके हैं. हाल ही में अपने 'खिलाड़ी 420' के को-स्टार और एक्टर अक्षय कुमार के बारे में सुधांशु ने खुलकर

बात की एक्टर ने अक्षय को मसखरा कहते हुए एक पुरानी घटना को याद किया. सुधांशु ने बॉलीवुड बबल से बातचीत में बताया, "वह एक शरारती इंसान हैं, उन्होंने बहुत समय पहले एक बार मेरे साथ प्रैंक किया था. मुझे अभी भी याद है, मैं लंच कर रहा था और डाइनिंग टेबल पर बैठा था जब मुझे एक कॉल आया. लाइन पर एक लड़की थी, और उसने ऐसी बातें कहना शुरू कर दिया जिससे मैं थोड़ा चिंतित और थोड़ा हैरान हो गया.

रणवीर सिंह ने लुटेरा में रच दिया था अभिनय का जादू

रणवीर सिंह एक ऐसे अभिनेता हैं जिन्होंने अपनी एक्टिंग से खुद को इंडियन सिनेमा के सबसे बेहतरीन कलाकारों में शुमार कर लिया है। हर फिल्म के साथ वो खुद को नए अंदाज़ में पेश करते हैं। 12 साल पहले रिलीज़ हुई रोमांटिक ड्रामा लुटेरा में उनका वरुण वाला किरदार आज भी लोगों को याद है। आमतौर पर रंगीन और जोशीले किरदार निभाने वाले रणवीर ने इस फिल्म में खुद को बेहद शांत, संयमित और तकलीफ में डूबे किरदार में ढाला था। उनका ये परफॉर्मेंस इतना असरदार था कि बिना ज़्यादा बोले भी वो दर्शकों के दिल तक पहुंच गए। लुटेरा में रणवीर सिंह का एक अलग ही रूप देखने को मिला, ऐसा जो अब तक लोगों ने कभी नहीं देखा था। ना कोई शोर, ना जोश-खरोश, बस एक खामोश-सा चेहरा और अंदर छिपा दर्द। रणवीर ने वरुण नाम के एक उलझे हुए चोर का किरदार ऐसे निभाया, जैसे वो वही हो। 1950 के बंगाल की उदासी और उस दौर की नज़ाकत को उन्होंने अपने अभिनय से बखूबी जिया। रणवीर सिंह उस वक्त तक अपनी जोशीली और एनर्जेटिक एक्टिंग के लिए जाने जाते थे। लेकिन लुटेरा में उन्होंने जो शांत, भीतर से टूटा हुआ किरदार निभाया, वो वाकई दिल छू जाने वाला था। बिना ज़्यादा डायलॉग बोले, सिर्फ अपने एक्सप्रेशंस और खामोशी से उन्होंने दर्द, पछतावा और प्यार को बहुत ही खूबसूरती से दिखाया। विक्रमादित्य मोटवाने के साथ ये उनकी पहली फिल्म थी, और शायद सबसे गहरी भी। इस रोल के जरिए रणवीर ने ये साबित कर दिया कि वो सिर्फ शोहरत और एनर्जी के लिए नहीं, बल्कि अपनी सेंसिटिव परफॉर्मेंस के लिए भी याद किए जा सकते हैं।

राष्ट्रबाण विदर्भ VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः ।।

तापमान. नागपुर, अधिकतम 30.8°C न्यूनतम 24.5°C

नागपुर, रविवार, 6 जुलाई 2025

अंधारी नदी में रेत माफिया का उत्पात

अनुमति से अधिक रेत उत्खनन

राष्ट्रबाण

चंद्रपुर. ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व में बाघों और अन्य जंगली जानवरों की प्यास बुझाने वाली और जंगली जानवरों के लिए जीवन रेखा बन चुकी अंधारी नदी में रेत माफिया ने सचमुच कहर बरपा रखा है. अंधारी नदी घाट के ठेकेदार को केवल 3,400 ब्रा रेत निकालने की अनुमति थी. लेकिन, यह बात सामने आई है कि उसने चार गुना अधिक यानी 10 से 12 हजार ब्रा रेत निकाली है. उसने वन विभाग की पूरी सड़क भी नष्ट कर दी है. इस मामले में एक पोकलेन मशीन जब्त की गई है और अश्विन सिंह ठाकुर के खिलाफ वन अपराध दर्ज किया गया है. इस बीच, इस रेत माफिया का दुस्साहस और भी बढ़ गया है, क्योंकि इसे जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का आशीर्वाद प्राप्त है. विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के आशीर्वाद से इस जिले में रेत माफिया पनप रहा है. इस रेत माफिया का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि इन माफियाओं ने बाघों के प्राकृतिक जल स्रोत अंधारी नदी की घेराबंदी शुरू कर दी है. मई में जिले के विभिन्न रेत घाटों की नीलामी हुई थी.

> इसमें ठेकेदारों को घाट से सीमित मात्रा में रेत निकालने की अनुमति दी गई थी. लेकिन हकीकत में रेत माफियाओं ने कई जगहों पर इस सीमा का उल्लंघन करते हुए स्वीकृत मात्रा से चार गुना अधिक रेत निकाल ली है, जिससे पर्यावरण और नदी के तल का व्यापक नुकसान हो रहा है. अजयपुर के अंधारी नदी घाट का ठेका जिस ठेकेदार को दिया गया था, उसे मात्र 3400 ब्रा रेत निकालने की अनुमति दी गई थी. लेकिन, यह बात सामने आई है कि वहां से 10 से 12 हजार ब्रा रेत निकाली गई है.

नागपुर-भंडारा 6 लेन सड़क जल्द

गडकरी ने किया भंडारा बाईपास और मौदा वाई-जंक्शन का उद्घाटन

राष्ट्रबाण

भंडारा. किसी भी शहर के समग्र विकास के लिए पानी, बिजली, परिवहन और संचार सुविधाओं और संचार के साधनों का विकास करना बहुत जरूरी है. इसके लिए बुनियादी सुविधाओं का अच्छा होना जरूरी है. केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने विश्वास व्यक्त किया कि भंडारा-गोंदिया जिले में राजमार्ग नेटवर्क समग्र विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा. उन्होंने यह भी कहा कि इसका उद्देश्य भंडारा जिले को उद्योग, कृषि और पर्यटन के मामले में विकसित करना है.उद्घाटन और भूमिपूजन समारोह केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था. 14.80 किलोमीटर लंबे भंडारा बाईपास और मौदा वाई-जंक्शन छह लेन वाले फ्लाईओवर का भूमिपूजन गडकरी ने किया. साथ ही इस अवसर पर मानेगांव वाहन ओवरपास, बापेरा से तुमसर डामरीकरण और खापा से भंडारा सड़क डामरीकरण कार्यक्रम का शिलान्यास किया गया. इस कार्यक्रम में सांसद डॉ. प्रशांत पडोले, विधायक डॉ. परिणय फुके, विधायक नरेंद्र भोंडेकर, विधायक संजय पुरम, विधायक राजू कारेमोरे, पूर्व सांसद सुनील मेंढे आदि उपस्थित थे. गडकरी ने कहा, 'मैं छात्र जीवन में अक्सर स्कूटर से भंडारा आता-जाता था. यहां से मैं काम के लिए लाखनी और साकोली जाता था. उस समय वैनगंगा पर बना पुराना पुल पानी में डूबा रहता था. जिससे यातायात बंद हो जाता था. मंत्री बनने के बाद मैंने वैनगंगा पर बड़ा पुल बनवाया. आज केंद्रीय मंत्री के तौर पर भंडारा को 735 करोड़ रुपए का अति आधुनिक बाईपास देते हुए मुझे खुशी हो रही है. बाईपास न होने से मौदा और भंडारा में अक्सर दुर्घटनाएं होती थीं. वाई जंक्शन पर भी यही स्थिति थी. हालांकि, मुझे विश्वास है कि पुल बनने से वहां भी दुर्घटनाएं रुक जाएंगी. गडकरी ने यह भी घोषणा की कि, नागपुर से भंडारा छह लेन वाली सड़क का काम जल्द ही शुरू होगा. गडकरी ने यह भी बताया कि भंडारा शहर में पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग पर 9 किलोमीटर सीमेंट कंक्रीट सड़क के लिए 100 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं. गडकरी आज जिले के दौरे पर थे. उन्हें भंडारा बाईपास का उद्घाटन करना था. उद्घाटन का समय दोपहर 12 बजे तय था, लेकिन 2 घंटे बीत जाने के बाद भी नितिन गडकरी नहीं पहुंचे. पहले से खाली पड़े सभा स्थल की कुर्सियां और खाली होती जा रही थीं. इतना ही नहीं, कुछ भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी वहां से जाने लगे. 2022 में स्वीकृत हुए भंडारा बाईपास का गडकरी द्वारा औपचारिक उद्घाटन किया जाना था . पिछले 3 सालों से चल रहा भंडारा बाईपास का निर्माण अभी भी पूरा नहीं हुआ है.

विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल की संभावना

> भंडारा जंगलों का जिला है. यहां के नवेगांव बांध और नागजीरा के जंगल विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल बन सकते हैं. भंडारा जिले के विकास में खनिज संसाधन और वनों की बड़ी भूमिका है. गडकरी ने यह भी कहा कि इन दोनों क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं.

फास्ट ट्रैक

मानसून में बाघ शावकों की मस्ती

चंद्रपुर. चंद्रपुर जिले के ताड़ोबा-अंधारी टाइगर रिजर्व के खुशनुमा माहौल में बाघ शावकों ने खूब मौज-मस्ती की. आदेगांव-देवरा बफर जोन में झील में शावकों के एक-दूसरे से अठखेलियां करने का वीडियो चंद्रपुर के शुभम मडावी ने कैमरे में कैद किया. तारोबा जंगल का मुख्य क्षेत्र पर्यटन के लिए बंद है. हालांकि, अब पर्यटक बाघ सफारी के लिए बफर जोन की ओर रुख कर रहे हैं. ऐसे में हरी शॉल ओढ़े तारोबा के पीले धम्म बछड़े आंखों को सुकून देने वाली मस्ती में डूबे हुए हैं.

जंगली सूअरों से हो रहा भारी नुकसान

अकोला. अकोट तहसील के टाकली बु के किसानों ने इस साल बारिश के कारण खरीफ सीजन की बमुश्किल बुवाई की है. शुरुआती बारिश संतोषजनक रही और फसलें अच्छी हुईं, जिससे किसान खुश हैं. लेकिन अब हिरण, जंगली सूअर और रोही (नीलगाय) के झुंड खेतों पर धावा बोल रहे हैं और अंकुरित फसलों को नष्ट करना शुरू कर दिया है. जंगली जानवर फसलों को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे किसान चिंतित हैं. टाकली बु, नादखेड, पिलकवाड़ी, हनवाड़ी, नखेगांव, देवरदा, परला, टाकली खुर्द, सालखेड, आगासखेड, लाजरवाड़ी आदि गांवों के खेतों में यह समस्या गंभीर हो गई है. फसलों को बचाने के लिए किसानों को रातभर खेतों में जागना पड़ रहा है.

अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाएं

मंत्री जाधव का अधिकारियों को आदेश

राष्ट्रबाण

बुलढाणा. केंद्र सरकार का उद्देश्य सभी आम गरीब लोगों को आसानी से, सुविधाजनक और उचित मूल्य पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है. इस उद्देश्य को प्राप्त करने और अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था ईमानदारी से स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का काम करे और अपने काम में कोताही करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, यह निर्देश आज केंद्रीय आयुष स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने दिए. शुक्रवार को बुलढाणा के जिला कलेक्टर कार्यालय में केंद्रीय आयुष स्वास्थ्य और कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक हुई. उस समय जाधव ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए. बैठक में स्वास्थ्य उप-निदेशक डॉ. भंडारी, स्वास्थ्य विभाग के राज्य समन्वयक सोहम वायल डॉ. जीवन बच्छाव उपसचिव विशाल गुप्ता जिला कलेक्टर डॉ. किरण पाटिल जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गुलाबराव खरात जिला शल्य चिकित्सक डॉ. बिराजदार जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमोल गीते उपस्थित थे. इस समय केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने सबसे पहले जिले में स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों की समीक्षा की. इन पदों को तत्काल भरने के निर्देश संबंधित एजेंसियों को दिए गए. साथ ही यह भी कहा गया कि साक्षात्कार पद्धति से 15 दिनों के भीतर कुछ पदों को भरा जाना चाहिए. ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम बिंदु तक पहुंचाने के दृष्टिकोण से स्वास्थ्य प्रणाली के सभी तत्वों के लिए सामूहिक प्रयास करना आवश्यक है, उस दृष्टिकोण से सभी को मिलकर काम करने के निर्देश दिए गए.

> भारत को क्षय रोग मुक्त बनाने के लिए सभी अधिकारी, स्वैच्छिक संगठन और जनप्रतिनिधि निक्षयमित्र योजना में भाग लें. केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने इस अवसर पर निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था को पूर्ण रूप से क्रियाशील बनाने के लिए भौतिक सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उच्च गुणवत्ता का बुनियादी ढांचा तैयार करना आवश्यक है. पीएमजेवाई योजना के तहत आयुष्मान कार्ड की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत तहसील स्तर पर शिविर आयोजित कर एक महीने के भीतर सभी लोगों को आयुष्मान कार्ड जारी करने के निर्देश दिए गए. इस दौरान जिले में जन्म दर और मृत्यु दर का भी जायजा लिया गया.

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

नाबालिग से ऑटो चालक ने की छेड़छाड़

राष्ट्रबाण

अकोला. अकोला में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक ऑटो चालक ने 16 साल की नाबालिग के साथ छेड़छाड़ और जबरदस्ती करने की कोशिश की. हालांकि, नाबालिग ने बहादुरी दिखाते हुए आरोपी का हाथ काट लिया और मौके से भाग निकली. अकोला में हुई इस घटना से अभिभावकों में कोहराम मच गया है. इस बीच, अकोला सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन में ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. आरोपी ऑटो चालक का नाम जाफर खान सुभेदार खान है. प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरावती जिले के पार्थवाड़ा की सोलह वर्षीय लड़की NEET परीक्षा की तैयारी के लिए अकोला शहर में किराए के कमरे में रह रही है.

- कल वह अपने गांव से घर लौटी थी. जब वह शहर के बस स्टेशन से ऑटो रिक्शा में कामरा जा रही थी, तो ऑटो रिक्शा चालक ने उसके साथ छेड़छाड़ की.
- ऑटो चालक ने उसके साथ बलात्कार करने की भी कोशिश की. जब वह ऑटो चालक के चंगुल से भागने की कोशिश कर रही थी, तो ऑटो चालक ने उसके हाथ और छड़ी पर काट लिया. इस दौरान वह किसी तरह से भागने में सफल रही और भाग गई.
- इस पूरे मामले में सिविल लाइंस पुलिस ने ऑटो चालक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है. गिरफ्तार रिक्शा चालक का नाम जफर खान सूबेदार खान है. आगे की जांच जारी है. सिविल लाइंस पुलिस इस संबंध में आगे की जांच कर रही है.

सरल सेवा परीक्षा की फीस कम करें

गरीब छात्रों ने सरकार से लगाई गुहार

राष्ट्रबाण

अमरावती. राज्य में विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रिया चल रही है. इस भर्ती के लिए आयोजित प्रत्येक परीक्षा के लिए छात्रों से 1,000 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है. यदि कोई छात्र एक से अधिक विभागों में परीक्षा के लिए आवेदन करना चाहता है, तो उस पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा. छात्रों ने सवाल उठाया है कि जब महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) के पास ऐसी परीक्षाएं आयोजित करने की मशीनरी है, तो इन परीक्षाओं के आयोजन की जिम्मेदारी निजी कंपनियों को क्यों दी जा रही है. राज्य में भर्तियों के बैकलॉग को भरने के लिए विभिन्न विभागों में भर्ती कार्यक्रम घोषित किया गया था. लेकिन दो साल पहले स्वास्थ्य विभाग में भर्ती में गड़बड़ी को देखते हुए सरकार ने सीधे तौर पर परीक्षा कराने की जिम्मेदारी निजी कंपनियों को सौंप दी थी. सरकार के फैसले में स्पष्ट किया गया था कि परीक्षा शुल्क प्रति अभ्यर्थी 1000 रुपये होना चाहिए, जिसमें कंपनियों को दी जाने वाली राशि, कर और प्रशासनिक लागत शामिल है. हालांकि इस फैसले से छात्रों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया. सीधी सेवा के माध्यम से होने वाली यह भर्ती छात्रों के लिए आर्थिक रूप से कठिन साबित हो रही है. जब महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग परीक्षा आयोजित करता है, तो इसकी दर लगभग 350 रुपये होती है. इसमें छात्र के बीमार पड़ने पर एमपीएससी प्रश्नपत्र, प्राथमिक उपचार और अन्य सुविधाएं प्रदान करता है. हालांकि, इन परीक्षाओं के आयोजन की जिम्मेदारी निजी कंपनियों को सौंपे जाने से बेरोजगार युवाओं की चिंता बढ़ गई है. अगर परीक्षा एम-पीएससी के माध्यम से आयोजित की जाती, तो 350 रुपये में सभी तरह की सुविधाएं मिल सकती थीं.

खेलते समय गिर गई थी दिवार, विवाद

गुस्साए प्रिंसिपल ने सीधे छात्र को थप्पड़ मार दिया

राष्ट्रबाण

भंडारा. एक छात्र के खेलने के दौरान ईंट की दीवार गिर गई. घटना भंडारा तालुका के मोटारा में प्रशांत विद्यालय में हुई, जहां स्कूल के प्रिंसिपल ने छात्र को बांस की छड़ी से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, यह दावा करते हुए कि छात्र ने दीवार तोड़ी है. इस संबंध में प्रिंसिपल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. प्रशांत विद्यालय भंडारा तालुका के मातोरा में स्थित है. इस विद्यालय के प्रिंसिपल और डायरेक्टर प्रदीप सुरेश गेडाम (उम्र 55) बेला निवासी हैं. स्कूल में बच्चे खेल रहे थे, तभी ईंट की दीवार गिर गई. स्कूल के प्रिंसिपल और डायरेक्टर प्रदीप सुरेश गेडाम ने इसके लिए 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र कुलदीप नामदेव डोमाले (उम्र 14) निवासी मातोरा को जिम्मेदार ठहराया. छात्र कुलदीप डोमाले ने दीवार तोड़ी है, ऐसा कहकर प्रिंसिपल प्रदीप गेडाम ने छात्र को लकड़ी के डंडे से दोनों हाथ, पीठ, दायां कंधा और बाएं पैर पर पीटना शुरू कर दिया. इस दौरान प्रिंसिपल की पत्नी, स्कूल में काम करने वाले अन्य शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह उन्हें पीटता रहा. इस घटना में कुलदीप गंभीर रूप से घायल हो गया. जब ग्रामीणों को इस बात की जानकारी मिली तो उन्होंने स्कूल पर हमला कर दिया.

> हालांकि उस समय प्रिंसिपल प्रदीप गेडाम स्कूल से जा चुके थे. उसके बाद ग्रामीण कुलदीप को लेकर करधा पुलिस थाने पहुंचे. वहां शिकायत दर्ज कराने के बाद कुलदीप को भंडारा के सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया. इस घटना से मतोरा और आसपास के गांवों के अभिभावकों में असंतोष व्याप्त है. शिकायतकर्ता की शिकायत और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर करधा पुलिस थाने में आईपीसी की धारा 118 (1) और किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के तहत मामला दर्ज किया गया है. आगे की जांच महिला पुलिस कांस्टेबल कुंदा लांजेवार कर रही हैं.

हमला — फिर जो हुआ वो बेहद दिलचस्प

13 फुट का अजगर बकरी को निगलने निकला

राष्ट्रबाण

अमरावती. तिवसा तहसील के सुरवाड़ी खुर्द शेट शिवार इलाके में 13 फुट लंबे अजगर ने 20 किलो की बकरी को निगलने की कोशिश की. हालांकि, वह सफल नहीं हो सका. इस अजगर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. जैसे ही सर्पमित्र को सूचना मिली कि सुरवाड़ी खुर्द शेट शिवार क्षेत्र में एक अजगर ने बकरी को निगलने की कोशिश की है, तो वह मौके पर पहुंचे. उनके अथक प्रयासों से अजगर की जान बच गई. हालांकि, इस प्रक्रिया में बकरी की जान चली गई. यह घटना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है. यह अजगर एक बड़ी बकरी का शिकार करता है और धीरे-धीरे उसे निगलना शुरू कर देता है. कुछ देर में बकरी का कुछ हिस्सा उसके पेट में चला जाता है, लेकिन यहीं से उसकी परेशानी शुरू होती है. बकरी का वजन और आकार इतना बड़ा है कि अजगर के लिए उसे निगलना असंभव है. कुछ ही पलों में उसका दम घुटने लगता है. भूषण भोंबे की बकरियां आज भी हमेशा की तरह चरने के लिए निकली थीं. उसी इलाके में एक बड़ा अजगर छिपा हुआ था. अजगर ने बकरी पर झपट्टा मारा और उसे निगलने के लिए काट लिया. काटने से अजगर काफी तड़प रहा था. जैसे ही कुछ लोगों को इस बात की जानकारी मिली, उन्होंने सर्प मित्र अविनाश पांडे को यह जानकारी दी. पांडे ने अजगर के चंगुल से बकरी को बचाने की काफी कोशिश की. हालांकि, बकरी की जान नहीं बच पाई. हालांकि, वह अजगर की जान बचाने में सफल रहे.

- सर्पमित्र अविनाश पांडे ने अजगर को सुरक्षित रूप से पकड़ने के बाद वन विभाग में उसका रजिस्ट्रेशन कराया और उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया.
- घटना का रिकॉर्ड बनाया गया है और मृत बकरी का पंचनामा भी किया गया है. सर्पमित्र ने अजगर को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया और वापस ले आए.
- रजिस्ट्रेशन के बाद वन विभाग ने बताया कि अजगर को सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया है.
- वर्तमान में, साँप, अजगर और बोआ अपने प्राकृतिक आवासों से निकलकर शिकार की तलाश में शहरी क्षेत्रों में जा रहे हैं.
- अजगर वन्यजीव अधिनियम की अनुसूची I के तहत संरक्षित हैं.
- अजगर सबसे बड़े गैर विषैले साँप हैं.
- वे सरीसृप वर्ग में बोइडे परिवार के उपपरिवार पाइथोनीनी से संबंधित हैं.
- एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि आवास के नुकसान और अपर्याप्त संरक्षण के कारण भारतीय अजगरों की संख्या में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आई है.

नाबालिगों को दिए जा रहे हैं वाहन

24 अभिभावकों के खिलाफ अपराध दर्ज

राष्ट्रबाण

गडचिरोली. शहर में बढ़ते यातायात के कारण दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है. इस पृष्ठभूमि में, पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल के मार्गदर्शन में 29 जून से 3 जुलाई तक अभियान चलाया गया. पांच स्थानों पर की गई कार्रवाई में 24 नाबालिग वाहन चलाते पाए गए. इन वाहनों को जब्त कर उनके अभिभावकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई. निरीक्षण अभियान के दौरान नाबालिग वाहन चलाते पाए गए. इन सभी के पास किसी भी प्रकार का ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होने के बावजूद उनके अभिभावकों ने अपने नाबालिग बच्चों को दोपहिया वाहन चलाने के लिए दिया था, इसलिए 24 अभिभावकों के खिलाफ मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 की धारा 199 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है और वाहनों को जब्त कर लिया गया है. मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 की धारा 199 (ए) के तहत, यदि कोई नाबालिग यातायात कानून का उल्लंघन करता है, तो उसके माता-पिता को जिम्मेदार ठहराया जाता है. कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्य साईं कार्तिक, गोकुल राज जी., उप पुलिस अधीक्षक सूरज जगताप, पी.एन. विनोद चव्हाण, सहायक निरीक्षक शरद मेश्राम और अनमलदार ने यह कार्रवाई की.

25 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान

इसमें तीन साल तक की कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है. मोटर वाहन अधिनियम के तहत नाबालिगों द्वारा वाहन चलाते पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है.

तापमान. नागपुर. अधिकतम 30.8°C न्यूनतम 24.5°C

राष्ट्रबाण नागपुर VISION

।। धर्मो रक्षति रक्षितः।।

नागपुर, रविवार, 6 जुलाई 2025

कूड़े के दाम बढ़ेंगे, दंगे भी होंगे : गडकरी

सीए पाठ्यक्रम कर रहे छात्रों के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोले

राष्ट्रबाण

नागपुर. पहले नालों से बहता गंदा पानी किसी के काम का नहीं था. इससे पर्यावरण का मुद्दा भी उठ रहा था. लेकिन अब स्थानीय निकाय इस गंदे पानी को बेचकर पैसे कमा रहे हैं. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में भविष्यवाणी की कि भविष्य में कचरे को लेकर दंगे होंगे.वे नागपुर में सीए कोर्स के छात्रों के राष्ट्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे. नितिन गडकरी ने आगे कहा कि नागपुर से हर दिन बड़ी मात्रा में सीवेज निकलता है. इस सीवेज से प्रदूषण की समस्या भी पैदा होती है. दूसरी तरफ कोराडी में थर्मल पावर प्रोजेक्ट को भी हर दिन बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत होती है. इसलिए नागपुर नगर निगम ने एक जल शोधन परियोजना स्थापित करने और उस पानी को महानिर्मिती को उपलब्ध कराने की पहल शुरू की. इसलिए अब नगर निगम को इस सीवेज से 300 करोड़ रुपये मिलते हैं. यह प्रयोग दूसरी जगह भी किया गया. इस बीच थर्मल पावर प्लांट से निकलने वाली राख का मुद्दा भी गंभीर था. लेकिन अब चूंकि इस राख का इस्तेमाल ईंट बनाने, हाईवे पर फिलिंग के काम समेत कई दूसरे कामों में हो रहा है, इसलिए इसकी मांग बढ़ गई है. दुनिया के कुछ विकसित देशों में अब कचरे से बिजली बनाने समेत कई नए प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं. इसलिए जल्द ही भारत में भी ये प्रोजेक्ट शुरू हो जाएंगे. इसके बाद कचरे की कीमत बढ़ जाएगी और भविष्य में कचरे को लेकर दंगे भी होंगे, ऐसा भी नितिन गडकरी ने कहा.गडकरी ने यह भी कहा कि भारतीय जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वाहनों की संख्या बढ़ाने में भी माहिर हैं.

राजस्व 12 लाख करोड़ रुपये

नितिन गडकरी ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल राजस्व अभी 56,000 करोड़ रुपये है. अगले दो सालों में यह आंकड़ा बढ़कर 1,40,000 करोड़ रुपये हो जाएगा. अगर पंद्रह सालों का अनुमान लगाया जाए तो टोल से 12,000 करोड़ रुपये की कमाई संभव है.

नागपुर महानगरपालिका में निष्क्रिय लोग

वर्धा रोड पर डिफेंस रेलवे लाइन थी. नगर निगम को मजबूरन 2.5 करोड़ रुपए में यह जमीन अधिग्रहित करनी पड़ी. उस समय नगर निगम के अधिकारियों ने इसका विरोध किया था. ऐसा इसलिए हो रहा था क्योंकि वहां निष्क्रिय लोग थे. लेकिन इस जमीन को अधिग्रहित करने के बाद पहले इसका नाम लंदन स्ट्रीट और अब ऑरेंज स्ट्रीट रखा गया. फिलहाल वहां तीन से चार प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं और नगर निगम को बिना किसी लागत के करीब 900 करोड़ रुपए मिले हैं. गडकरी ने कहा कि और प्रोजेक्ट पूरे होने पर कम से कम 2,500 करोड़ रुपए मिलेंगे.

नागपुर में बसों में चाय परोसेगी 'वाहन सुंदरी'

गडकरी ने शनिवार को सीए छात्रों के राष्ट्रीय सम्मेलन में नागपुर में फ्लैश चार्जिंग बस प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी दी. गडकरी ने बताया कि इस बस के लिए कल टेंडर प्रक्रिया हो गई है. गडकरी ने कहा, यह वातानुकूलित बस नागपुर के बायपास रोड पर चलेगी. इस उच्च गुणवत्ता वाली बड़ी बस में 135 यात्रियों के बैठने की क्षमता है. इस बस की सीटें उच्च गुणवत्ता वाली हैं. बस में एक टीवी होगा. इस पर यात्री मनोरंजन करेंगे. विमान में रहने वाली वायु सौंदर्य जैसी वाहन सुंदरता होगी. यह सौंदर्य यात्रियों को चाय और नाश्ता उपलब्ध कराएगा. गडकरी ने यह भी कहा कि यह बस सेवा दुनिया की सबसे अच्छी बस सेवाओं में से एक होगी. इसलिए, नागपुर के लोगों का ध्यान अब इस हाई-टेक बस की ओर गया है.

एसआईजी शिंदे ने VRS मांगा

पुलिस में मची हलचल, सभी की निगाहें

राष्ट्रबाण

नागपुर. महाराष्ट्र पुलिस के राज्य खुफिया (अत्यंत महत्वपूर्ण व्यक्ति संरक्षण) विभाग में विशेष पुलिस महानिरीक्षक के पद पर कार्यरत अंकुश शिंदे ने हाल ही में पुलिस बल से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया है. सफल करियर के बाद नियमित सेवानिवृत्ति के लिए मात्र 3 से 4 महीने शेष रह जाने पर शिंदे ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी भी गुप्त है. दूसरी ओर, पुलिस विभाग ने अभी तक उनके स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति आवेदन पर कोई निर्णय नहीं लिया है. इसके कारण राज्य के पुलिस बल में हलचल मची हुई है.भारतीय पुलिस सेवा के 2003 बैच के अधिकारी अंकुश शिंदे 1992 से 1994 तक चंद्रपुर जिले के राजुरा में बतौर उप-विभागीय पुलिस अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे. इस दौरान उन्होंने नक्सलवाद से ग्रस्त गडचिरोली और चंद्रपुर जिलों का प्रत्यक्ष अनुभव किया. तब से शिंदे ने नक्सली गतिविधियों पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है. अपने पूरे करियर में नासिक ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक रहे शिंदे पिंपरी-चिंचवड़ के पुलिस आयुक्त के पद पर भी रह चुके हैं.

अपने पूरे करिअर में समर्पण के लिए मशहूर रहे शिंदे को राष्ट्रपति पुलिस पदक से भी सम्मानित किया जा चुका है. पुलिस बल में बेहद कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित, अनुभवी पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी ख्याति बनाए रखने वाले और समय-समय पर कड़े फैसले लेने वाले शिंदे की नियमित सेवानिवृत्ति में अब सिर्फ 3 से 4 महीने ही बचे हैं. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन करते समय शिंदे ने यह कहते हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए मंजूरी मांगी है कि उन्होंने सरकारी सेवा की अवधि पूरी कर ली है. हालांकि, इस आवेदन में उनके द्वारा दिया गया अपरिहार्य कारण गुलदस्ते में है. स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति आवेदन के संबंध में टिप्पणी के लिए जब लोकसत्ता ने उनसे संपर्क किया तो शिंदे ने इस विषय पर बात करने से साफ इनकार कर दिया.

मानसून ने बढ़ाई मुश्किलें, टमाटर हुआ लाल

चिल्लर में 70 रुपए किलो तक पहुँचा

राष्ट्रबाण

नागपुर. मानसून की धीमी रफ्तार और अनियमित बारिश ने आम जनता की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है. सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं, खासकर टमाटर ने लोगों की जेब पर सीधा वार किया है. फिलहाल टमाटर चिल्लर बाजार में 60 से 70 रुपए प्रति किलो की दर से बिक रहा है. सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि बारिश की मार से टमाटर की फसल को भारी नुकसान हुआ है. महाराष्ट्र के अहमदनगर, पुणे, सोलापुर और विदर्भ के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश या फिर जरूरत से कम बारिश की वजह से टमाटर की आवक में भारी गिरावट आई है. परिणामस्वरूप थोक मंडियों में टमाटर की कीमतें दोगुनी हो गई हैं. फसल खराब होने के कारण पहले जहां एक दिन में बाजार में 40- 45 ट्रक आते थे, अब वह 15-16 ट्रक रह गए हैं. मंडी व्यापारियों के अनुसार, पहले जहां एक क्रेट (करीब 25 किलो) टमाटर 300 से 400 रुपए में बिकता था, अब वही क्रेट 900 से 1000 रुपए तक पहुँच चुका है. इस वृद्धि का असर सीधे खुदरा कीमतों पर पड़ा है. महिलाएं और गृहणियां कह रही हैं कि सब्जियों की महंगाई ने बजट बिगाड़ दिया है. पहले जहाँ हफ्ते भर की सब्जी 300 से 400 रुपए में आ जाती थी, अब वही खर्च 600 से 700 रुपए तक जा रहा है.

अगर इसी तरह बारिश का मिजाज बना रहा और आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो आने वाले दिनों में टमाटर की कीमतें 100 रुपए किलो तक पहुँच सकती हैं. टमाटर के साथ अन्य सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे है. बैगन, शिमला मिर्ची, परवल सहित तमाम सब्जियों के दाम दोगुने हो गए हैं. वर्तमान में जिस तरह का मौसम बना हुआ है उसको देखते हुऐ आने वाले कुछ दिन सब्जियों के दाम ऐसे ही बने रहेंगे.

रागम संगीत समूह के निदेशक नायर का सम्मान

राष्ट्रबाण

नागपुर. महक (मनीषा निश्चल) पुणे समूह ने रागम संगीत समूह नागपुर को बालगंधर्व रंग मंदिर पुणे में अपने वार्षिक दिवस समारोह में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया. लोकप्रिय गायकों स्वस्तिका ठाकुर और परिमल जोशी के नेतृत्व में संगीतकारों की टीम ने शानदार प्रस्तुति दी, जिसके हर प्रदर्शन पर तालियाँ बजीं. बालगंधर्व रंग मंदिर के अधिकारियों ने प्रसन्नकुमार नायर और टीम के सदस्यों को सम्मानित किया. नायर ने स्वागत और शानदार कार्यक्रम के आयोजन के लिए अधिकारियों और मनीषा निश्चल और महक समूह को धन्यवाद दिया.

डिफेन्स उत्पादन में सोलर अग्रणी प्लेयर

उद्योगपति नुवाल की नेट वर्थ में 78 प्रतिशत की उछाल

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर बेड्स कंपनी के मालिक और मौजूदा समय में देश के उद्योग जगत के प्रमुख नाम सत्यनारायण नुवाल की नेट वर्थ में इस वर्ष की पहली छमाही में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है. नुवाल की कुल नेटवर्थ में 78 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. खास है की नेट वर्थ के मामले में नुवाल ने मुकेश अंबानी और गौतम अदानी को भी पीछे छोड़ दिया है. सोलर इंड्रस्टी के चेयरमेन सत्यनारायण नुवाल लगातार अपने औद्योगिक करियर में उचाईया हासिल कर रहे है. वित्तीय वर्ष 2025 की पहली छमाही में नुवाल ने 67527 करोड़ रुपये की कमाई की है. अगर प्रतिशत के हिसाब से देखा जाये तो उनके नेटवर्थ में 78 फीसदी का इजाफा हुआ है. खास है की निजी तौर पर कमाई के मामले में उन्होंने देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों में माने जाने वाले मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी को भी पीछे छोड़ दिया है.

- ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के आंकड़ों के अनुसार उनकी कुल संपत्ति 78 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 7.90 बिलियन डॉलर हो गई.
- प्रतिष्ठित मैगजीन ब्लूमबर्ग ने भारत में टॉप 20 उद्योगपतियों की 2025 की पहली छमाही में की गई कमाई की लिस्ट जारी की है.
- इसमें सत्यनारायण नुवाल ने टॉप किया है.
- नागपुर में मुख्यालय वाली सोलर इंडस्ट्रीज एक्सप्लोसिव, डेटोनेटर, ड्रोन और गोला-बारूद बनाती है.
- 2024 में 45 फीसदी और 2023 में 54 फीसदी की वृद्धि के बाद, 2025 में कंपनी के शेयर में 81 फीसदी का इजाफा देखने को मिला है.
- नुवाल की कंपनी के पास फ़िलहाल 17,000 करोड़ रुपए की मजबूत ऑर्डर बुक जिसमें डिफेंस ऑर्डर में 15,000 करोड़ रुपए शामिल हैं.
- नुवाल की कंपनी प्रमुखतःरक्षा उत्पादों का उत्पादन करती है. चूँकि नुवाल नागपुर के है ऐसे में उनकी सफलता को शहर के लिए बड़ी कामियाबी के तौर पर देखा जा रहा है.

फास्ट ट्रैक

विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दें

नागपुर. हलबा समाज महासंघ ने दीनदयाल नगर, नागपुर में हलबा समाज के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और योग्यता पुरस्कार देने की अपील की है. इसके लिए वर्ष 2025 और 26 के विद्यार्थियों के लिए कला और वाणिज्य शाखाओं में 70% से अधिक अंक और विज्ञान शाखा में 80% से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों के लिए हलबा समाज महासंघ सरस्वती लेआउट, दीनदयाल नगर की ओर से 22 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं. छात्रवृत्ति के लिए महासंघ के कार्यालय में नमूना आवेदन पत्र भरने के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जानी चाहिए.

विरासत संरक्षण समिति की बैठक

राष्ट्रबाण

नागपुर. नागपुर विरासत संरक्षण समिति ने शहर में विभिन्न विरासत कार्यों की समीक्षा की. शहर के विभिन्न भागों में स्थित विरासत स्थलों के संबंध में समिति के अध्यक्ष अनूप कुमार की अध्यक्षता में बुधवार (दिनांक 2) को नागपुर विरासत संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई. मनपा मुख्यालय स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज प्रशासनिक भवन के आयुक्त सभाकक्ष में आयोजित बैठक में मनपा की अतिरिक्त आयुक्त वसुमना पंत, मनपा के मुख्य अभियंता मनोज तालेवार, समिति सदस्य डॉ. मधुरा राठौड़, डॉ. लीना रामकृष्णन, अरुण मलिक, आशीष मोरे, सहायक निदेशक ऋतुराज जाधव, श्रीविजय शेंडे, पवन पाटिल, प्रतीक कृष्णा, अश्विनी एलचटवार, डॉ. संजय ठाकरे सहित प्रशांत भंडारकर उपस्थित थे. इन सभी प्रस्तावों पर हेरिटेज संरक्षण समिति की बैठक में विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में रेलवे भूमि विकास प्राधिकरण की ओर से कंप्यूटर प्रजेंटेशन के जरिए नागपुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास और मरम्मत कार्य की जानकारी दी गई. समिति ने काम पर संतोष जताया.

हेरिटेज संरक्षण समिति ने नागपुर शहर के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और विरासत स्थलों के सौंदर्यीकरण, पुनर्विकास और नए निर्माण से संबंधित कई प्रस्तावों पर चर्चा की. इनमें राजे बख्त बुलंदशाह समाधि स्थल का सौंदर्यीकरण, नागपुर रेलवे स्टेशन भवन का पुनर्विकास, रेलवे का शताब्दी समारोह, सरकारी कानूनी सहायता विज्ञान संस्थान में नव निर्माण, मुंशी मंदिर, सोनेगांव तालाब, काशीबाई मंदिर परिसर का दस्तावेजीकरण प्रस्ताव, एजी ऑफिस भवन, राजीव गांधी सद्भावना दौड़, कस्तूरचंद पार्क मैदान में रावण दहन की अनुमति, श्रीमंत राजे रघुजीराव भोसले महल नए टाउन हॉल का काम शामिल हैं.

विदर्भ में ॲबकस एवं वैदिक गणित की राष्ट्रीय स्पर्धा संपन्न

नागपुर के आहान बिनेकर बने चैंपियन

राष्ट्रबाण

नागपुर. अचीवर्स ॲबकस एकेडमी एवं वैशाली एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर की अबेकस एवं वैदिक गणित स्पर्धा का भव्य आयोजन विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन के सांस्कृतिक सभागृह, झांसी रानी चौक, बर्डी में किया गया. इस प्रतियोगिता में देशभर से आए 350 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लेकर अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया. कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि के रूप में एनसीसी अधिकारी दिलीप चौधरी, प्रा. डॉ. महेश गायधने, एड. गौरव मूंदे, एड. सतीश कडसाईत, शिक्षिका स्नेहलता नासने, वैशाली अनूप उल्हे एवं अनूप उल्हे उपस्थित रहे. मंच संचालन की जिम्मेदारी प्रणाली क्षीरसागर एवं अश्विनी कठाने ने अत्यंत कुशलता से निभाई. प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण रहा नागपुर के छात्र आहान संजीव बिनेकर, जिसने मात्र 5 मिनट में 187 गणितीय समस्याओं को हल कर चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया. आहान को विजेता के रूप में साइकिल, ट्रॉफी एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया. इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 5 रनर छात्रों दक्ष इंगले, मोहित कोहरे, ईशिता भनारकर, निकिता भरोंडे, हिमांशु ढोबले को स्मार्ट वॉच देकर प्रोत्साहित किया गया. कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्राचीति नासणे ने सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया. आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों में गणित के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ उनकी मानसिक क्षमताओं के विकास में सहायक सिद्ध होती हैं. उल्लेखनीय कार्य करने के लिए कार्यक्रम में स्टार टीचर्स अवार्ड से प्राची गुजर, नम्रता जाधव, पायल फरकाडे को सम्मानित किया गया. बेस्ट टीचर के लिए गौरी चोपडे, मिनाक्षी दातीर, पद्मा फरांडे, प्रसाद गडलिंग, कविता नाकाडे को प्रदान किया गया.

समारोह युवाओं में एक नया चलन है, सुनकर लोगों को हो रहा आश्चर्य

शहर में 'नकली शादी पार्टी' बिना दूल्हा-दुल्हन के...

राष्ट्रबाण

नागपुर. युवा पीढ़ी के बीच कब कौन सा ट्रेंड लोकप्रिय हो जाए, इसका कोई अंदाजा नहीं है. आजकल युवा पीढ़ी के बीच 'नकली शादी पार्टी' का नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है. इसमें दूल्हा-दुल्हन को छोड़कर सब कुछ शादी समारोह जैसा होता है. शनिवार को नागपुर के एक मॉल में ऐसी ही 'नकली शादी पार्टी' का आयोजन किया जा रहा है. सोशल मीडिया के कारण दुनिया तेजी से बदल रही है. सामाजिक परंपराओं को नए नजरिए से देखा जा रहा है. इसका असर भारतीय संस्कृति की एक बेहद अहम चीज जैसे शादी पर भी पड़ा है. थीम बेस्ड शादियों और डेस्टिनेशन वेडिंग के प्रचलन के बाद अब एक बिल्कुल नया प्रकार सामने आया है. यह प्रकार है 'नकली शादी पार्टी'. यह प्रकार मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों और नागपुर में भी लोकप्रिय हो रहा है. कुछ दिन पहले नागपुर के एक मॉल में ऐसी पार्टी हुई थी. उस समय मिले रिस्पॉन्स के चलते शनिवार को फिर ऐसी पार्टी का आयोजन किया जाएगा. इसमें सबकुछ शादी जैसा ही होता है. सजावट, बैंड, बाजा और दूल्हा बिल्कुल असली शादी जैसा होता है. पार्टी में शामिल युवक-युवतियां भी शेरवानी और लहंगे जैसे परिधानों में आते हैं यहां तक कि मेहंदी, हल्दी, संगीत समारोह भी इसका हिस्सा हैं. एक आयोजक के अनुसार, 'एक सामान्य शादी में रिश्तेदार और सामाजिक संबंधियों की भागीदारी होती है. युवा पीढ़ी इन चीजों से दूर रहना पसंद करती है, लेकिन वे शादी का मज़ा लेना चाहते हैं. इस पृष्ठभूमि में 'नकली शादी पार्टी' शैली उभरी है. कुछ ही दिनों में यह शैली युवाओं के बीच लोकप्रिय हो गई है. बड़ी संख्या में युवतियां पारंपरिक भारतीय परिधान जैसे साड़ी, लहंगा और गहने पहनकर ऐसी पार्टियों में भाग लेती हैं. आने वाले दिनों में यह चलन और भी लोकप्रिय होगा और ऐसे आयोजनों की संख्या बढ़ेगी.'

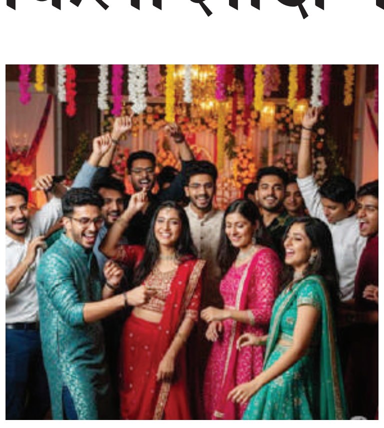

चलन की आलोचना

इस चलन के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं. कुछ लोग कहते हैं, मुझे शादी का पूरा अनुभव चाहिए, लेकिन कमिटमेंट नहीं! कुछ लोग इसे सिर्फ़ लाइक, फ़ॉलोअर या खासियत के लिए चाहते हैं. इन्फ़्लुएंसर्स ने इस चलन को एक पायदान ऊपर ले लिया है. 'नकली शादी की तस्वीरें' अब कुछ फ़ोटोग्राफ़रों के लिए एक कमर्शियल पैकेज बन गई हैं. कई लोगों ने इसे 'मस्ती, आज़ादी और फ़ैशन' कहा है. दूसरी ओर, इस चलन की आलोचना भी हो रही है. कुछ लोगों के अनुसार, शादी जैसी गंभीर और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण चीज़ को सिर्फ़ मनोरंजन के लिए इस्तेमाल करना विवाह संस्था का अपमान है. कुछ मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे युवा पीढ़ी के बीच रिश्तों की गंभीरता को कम करने का आरोप लगाया है.

मनपा का दिव्यांग सर्वेक्षण अंतिम चरण में

शहर के सभी 10 जोन में उत्कृष्ट प्रतिक्रिया

राष्ट्रबाण

नागपुर. दिव्यांगों का समग्र डेटा एकत्र करने के लिए नागपुर महानगरपालिका द्वारा दिव्यांग सर्वेक्षण किया गया. महात्मा गांधी सेवा संघ के माध्यम से निगम की आशा स्वयंसेवकों द्वारा किया जा रहा यह सर्वेक्षण अपने अंतिम चरण में है और नागपुर निवासियों ने इसमें उत्कृष्ट प्रतिक्रिया दिखाई है. केंद्र सरकार, राज्य सरकार और नागपुर महानगरपालिका द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए यह सर्वेक्षण बहुत आवश्यक है और नागरिकों से नागपुर महानगरपालिका द्वारा उचित जानकारी प्रदान करके निगम की आशा स्वयंसेवकों का सहयोग करने की अपील की जा रही है. महानगरपालिका आयुक्त और प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी के निर्देशानुसार, अतिरिक्त आयुक्त श्रीमती के मार्गदर्शन में. वसुमना पंत की देखरेख में तथा चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपक सेलोकर और सामाजिक विकास अधिकारी डॉ. रंजना लाडे के नेतृत्व में मनपा की आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से 21 प्रकार की दिव्यांगता की पहचान के लिए सभी दस जोन में यह सर्वेक्षण किया जा रहा है.

इसके लिए आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है. दिव्यांगों के सर्वेक्षण से भविष्य में दिव्यांगों के उत्थान के लिए कार्ययोजना तय होगी. जानकारी के अभाव और दस्तावेजों की कमी के कारण कई दिव्यांग योजनाओं से वंचित रह जाते हैं. दिव्यांगों को इन सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सर्वेक्षण एक महत्वपूर्ण कदम है. दिव्यांगों का सर्वेक्षण करते समय दिव्यांगता के प्रकार, उनका यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड और अन्य जानकारी भी एकत्रित की जा रही है. जिससे भविष्य में उन्हें योजनाओं का लाभ देकर लाभान्वित किया जा सकेगा. नागपुर शहर के कुछ हिस्सों को छोड़कर दिव्यांगों के सर्वेक्षण को लेकर आम जनता और मध्यम वर्ग में काफी उत्साह है. हालांकि संभ्रांत बस्तियों में आशा कार्यकर्ताओं को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है.

चोट के चलते महिला टीम की कप्तान बाहर

लंदन. टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है. दूसरी ओर भारत की महिला टीम भी फिलहाल इंग्लैंड में है और 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है. इस सीरीज के बीच एक टीम को बड़ा झटका लगा है. इस टीम की कप्तान चोट के चलते बाकी बचे मैचों से बाहर हो गई है, जिसके चलते टीम में बदलाव करना पड़ा है और एक नई कप्तान भी चुनी गई है, जो बचे हुए मैचों में टीम की कमान संभालेगी.

सीरीज के बीच कप्तान को लगी चोट

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में बड़ा झटका लगा है. टीम की कप्तान और स्टार ऑलराउंडर नैट सिवर ब्रंट चोट के चलते सीरीज के बचे हुए मैचों से बाहर हो गई हैं. उनकी जगह हैम्पशर की प्रतिभाशाली बल्लेबाज माइया बाउचर को टीम में शामिल किया गया है. इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सिवर-ब्रंट की कमर की चोट की वजह से वह अब इस सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगी. हालांकि, उम्मीद है कि वह आगामी वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह फिट हो जाएंगी. सीरीज में 2-1 से पीछे चल रही इंग्लैंड की टीम के लिए यह खबर किसी बड़े झटके से कम नहीं है. सिवर-ब्रंट ने पहले दो टी20 मैचों में कप्तानी की थी, लेकिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला मैच 97 रनों से और दूसरा 24 रनों से जीता. लेकिन उनकी चोट ने उन्हें तीसरे मैच से बाहर कर दिया था. जिसके बाद टैमी ब्यूमोंट ने टीम की कमान संभाली थी. अब सीरीज के आखिरी दो मैचों में भी टैमी ब्यूमोंट की इंग्लैंड की कप्तानी करेंगी.

भारत की मजबूत स्थिति

भारत ने इस सीरीज में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है. पहले टी20 में स्मृति मंधाना की शतकीय पारी और दूसरे मैच में जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर के अर्धशतकों ने भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई. तीसरे मैच में इंग्लैंड ने वापसी करते हुए जीत हासिल की, लेकिन सिवर-ब्रंट की गैरमौजूदगी भारत के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है. दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा मैच 9 जुलाई को खेला जाएगा. वहीं, आखिरी मैच 12 जुलाई को होगा.

डिंडिगुल ड्रैगन्स ने क्वालिफायर-2 में दर्ज की रोमांचक जीत

नई दिल्ली. तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) 2025 का क्वालिफायर-2 मैच डिंडिगुल ड्रैगन्स और चेपॉक सुपर गिलीज की टीमों के बीच खेला गया. रविचंद्रन अश्विन की कप्तानी वाली डिंडिगुल ड्रैगन्स की टीम ने इस मुकाबले में एक रोमांचक जीत अपने नाम की. वहीं, डिंडिगुल ड्रैगन्स के युवा बल्लेबाज विमल खुमार ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया. उन्होंने एक ऐसा कारनामा किया जो भारतीय क्रिकेट में लंबे समय तक याद रखा जाएगा.

22 साल के भारतीय बल्लेबाज का तूफान

विमल खुमार ने इस मैच में एक ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए चेपॉक सुपर गिलीज के खिलाफ एक ओवर में 34 रन ठोकने का कारनामा किया. इस शानदार प्रदर्शन ने न केवल डिंडिगुल ड्रैगन्स को फाइनल में पहुंचाया, बल्कि यह मुकाबला टीएनपीएल के इतिहास में एक यादगार लम्हा बन गया. बता दें, विमल खुमार ने ये तूफानी बल्लेबाजी तब की जब क्वालिफायर-2 में डिंडिगुल ड्रैगन्स को जीत के लिए आखिरी चार ओवरों में 52 रनों की जरूरत थी. डिंडिगुल ड्रैगन्स को फाइनल में पहुंचने के लिए 179 रन बनाने थे, जो एक मुश्किल लक्ष्य था, और चेपॉक सुपर गिलीज की गेंदबाजी दबाव बनाने में कामयाब रही थी. लेकिन पारी 17वें ओवर में विमल खुमार ने खेल का रुख पूरी तरह से बदल दिया. इस ओवर में उन्होंने पहली ही गेंद पर चौका जड़ा और फिर लगातार 5 छक्के लगाए, जिससे डिंडिगुल की जीत का रास्ता साफ हो गया. इस ओवर में कुल 34 रन बने, इस दौरान उन्होंने 26 गेंदों पर अपना अर्धशतक भी पूरा किया. उन्होंने अपनी इस पारी से हर किसी को अपना फैन बना लिया.

विमल खुमार ने खेली 65 रनों की पारी

विमल खुमार ने इस मैच में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को हैरान कर दिया. विमल कुमार ने सिर्फ 30 गेंदों पर 5 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 65 रन बनाए. जिसके चलते डिंडीगुल ड्रैगन्स ने 18.4 ओवर में 182 रन बनाकर 4 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की. इस जीत के साथ ही डिंडीगुल ड्रैगन्स ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल में एंट्री कर ली.

टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा 13 महीने के लिए टला

नई दिल्ली. कई दिनों की अटकलों और दावों के बाद आखिरकार टीम इंडिया का बांग्लादेश दौरा टलने का आधिकारिक ऐलान हो गया है. भारतीय टीम को अगस्त के महीने में वनडे और टी20 सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करना था लेकिन अब इस सीरीज को 13 महीनों के लिए टाल दिया गया है. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शनिवार 5 जुलाई को इसका ऐलान किया और बताया कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ मिलकर ये फैसला लिया गया है.

सीरीज टालने की बताई ये वजह

बीसीसीआई ने शनिवार को एक प्रेस रिलीज में बताया कि दोनों क्रिकेट बोर्ड ने आपसी सहमति से ये फैसला किया है. इसके तहत 3 वनडे और 3 टी20 मैच की सीरीज के लिए टीम इंडिया को बांग्लादेश का दौरना करना था लेकिन अब ये सीरीज अगस्त 2025 के बजाए सितंबर 2026 में खेली जाएगी. दोनों क्रिकेट टीम के इंटरनेशनल क्रिकेट शेड्यूल को इस फैसले की वजह बताया गया है. प्रेस रिलीज में बताया गया है कि सीरीज के नए शेड्यूल का ऐलान सही वक्त पर किया जाएगा. हालांकि, पिछले कई हफ्तों से ही इस सीरीज के टलने की आशंका जताई जा रही थी और इसकी असल वजह दोनों देशों के बीच के संबंधों में आ रहे तनाव को बताया जा रहा था. पिछले साल हुए तख्तापलट के बाद से ही बांग्लादेश और भारत के रिश्तों में दरार बढ़ती गई है. बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्याओं और साथ ही वहां के नेताओं के भारत-विरोधी बयानों के कारण भी लगातार टकराव की स्थिति बनी हुई थी. इसके चलते ही टीम इंडिया के बांग्लादेश दौरे पर सवाल उठ रहे थे.

रोहित-विराट के लिए करना होगा इंतजार

वहीं इस सीरीज के टलने का मतलब ये है कि टीम इंडिया के फैंस को विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी के लिए इंतजार करना पड़ेगा. टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके इन दोनों बल्लेबाजों को अब सिर्फ वनडे क्रिकेट में ही देखने का मौका मिलेगा. मगर इस सीरीज के टलने से अब दोनों को फिर से मैदान में लौटने में वक्त लगेगा. दोनों की वापसी अब अक्टूबर-नवंबर से पहले नहीं हो पाएगी, जब टीम इंडिया वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी.

चेल्सी क्लब वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में पहुंची

न्यूयॉर्क. अगस्टिन जियाय के अंतिम क्षणों में किये गए आत्मघाती गोल की बदौलत चेल्सी ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में पाल्मेरास पर 2-1 से जीत हासिल की। यह मुकाबला फिलाडेल्फिया के लिंकन फाइनेंशियल फील्ड पर खेला गया। इसी के साथ चेल्सी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। कोल पाल्मर ने पहले हाफ में चेल्सी के लिए गोल किया, जिससे 'ब्लूज' को न्यूयॉर्क में ब्राजील की टीम फ्लूमिनेंस के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने में मदद मिली। ब्रेक के बाद पाल्मेरास ने जोरदार वापसी की, जब युवा फुटबॉलर एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में एक शानदार गोल दागते हुए टीम को बराबरी पर ला दिया, लेकिन मुकाबले के 83वें मिनट में अगस्टिन जियाय के आत्मघाती गोल के चलते पाल्मेरास ने मुकाबला 1-2 से गंवा दिया। चेल्सी के मैनेजर एन्जो मारेस्का ने कहा, "जैसा कि हमने उम्मीद की थी, यह एक मुश्किल मुकाबला था। मुझे लगता है कि दूसरे हाफ की तुलना में हम पहले हाफ में थोड़े बेहतर थे। हमने मुकाबले को बेहतर तरीके से कंट्रोल किया। मुझे लगता है कि हम जीत के हकदार थे। खिलाड़ियों को बधाई, क्योंकि उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया हैं।

संजू सैमसन बने केरल क्रिकेट लीग 2025 के सबसे महंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली. भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने केरल क्रिकेट लीग 2025 सीजन में इतिहास रच दिया है. वो इस लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं.

केरल क्रिकेट लीग 2025 के ऑक्शन में जैसे ही संजू सैमसन का नाम लिया गया वैसे ही कुछ टीमों ने उन पर बोली लगाना शुरू कर दिया. हालांकि आखिर में उन्हें कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने अपनी टीम में शामिल किया. कोच्चि ने संजू को 26.80 लाख रुपए में खरीदा. बता दें कि, संजू सैमसन की बोली 5 लाख रुपए से शुरू हुई थी.

इस ऑक्शन में सभी टीमों के पास खिलाड़ियों पर खर्च करने के लिए 50-50 लाख रुपए हैं. संजू सैमसन को अपनी टीम में शामिल करने के लिए त्रिसूर टाइटंस 20 लाख तक बोली ले गए थे. उन्हें लगा कि भारतीय खिलाड़ी उनकी टीम से खेलेगा लेकिन कोची ब्लू टाइगर्स ने अपने टोटल पर्स की 50% से ज्यादा की रकम खर्च कर दी.

अल्काराज, सबालेंका और नोरी विंबलडन के चौथे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली. गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को, स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने एम्मा राडुकानू को तथा कैमरून नोरी ने माटेओ बेलुची को हराकर विंबलडन टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बना ली हैं। तीसरे दौर के शुक्रवार रात खेले गये मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज ने 12 में से पांच ब्रेक पॉइंट को भुनाकर 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 55 में से 34 पॉइंट जीते जो कि उनकी जीत का मुख्य कारण रहा। मैच के बाद अल्काराज ने कहा, “मुझे लगता है कि मैंने बहुत अच्छा रिटर्न किया। इससे उनकी सर्विस पर बहुत दबाव पड़ता है। मुझे लगता है कि आज यही महत्वपूर्ण था।” अल्काराज का अगला मुकाबला 14वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेई रुब्लेव से होगा। रूस के आंद्रेई रुब्लेव ने एड्रियन मानारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई है। मैच के बाद रुब्लेव ने कहा, “वह वास्तव में एक शक्तिशाली खिलाड़ी है। मुझे लगता है कि वह घास पर वास्तव में अच्छा खेलता है क्योंकि उसे हमेशा आक्रामक होना पसंद है।”

इस बीच, पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज ने स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना पर 6-4, 6-3, 6-7 (5), 6-1 से जीत हासिल की। अगले दौर में फ्रिट्ज का सामना ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन से होगा। थॉम्पसन ने तीसरे दौर में इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-4, 6-4, 3-6, 6-3 से हराया। महिलाओं के ड्रॉ में शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू को 7-6 (6), 6-4 से हरा दिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, “एम्मा ने बहुत ही शानदार टेनिस खेला और मुझे यह मैच जीत जीतने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी। मुझे हर अंक के लिए संघर्ष करना पड़ा।” दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज जर्मन लौरा सीजमंड से 3-6, 3-6 से हार गईं, जबकि पूर्व विश्व नंबर वन नाओमी ओसाका ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और अनस्तासिया पाव्लुचेनकोवा से 3-6, 6-4, 6-4 से हार गईं। ब्रिटेन के टेनिस खिलाड़ी कैमरून नोरी ने तीसरे दौर के मुकाबले में इटली के माटेओ बेलुची को 7-6 (7-5) 6-4 6-3 से हराया। इस मुकाबले के दौरान उन्होंने एंडी मरे की रणनीति का इस्तेमाल करते हुए स्वयं को उत्साहित करने के लिए स्टेडियम में मौजूद भीड़ का उपयोग किया।

मैच के बाद नोरी ने कहा, “मुझे लगता है कि भीड़ का अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना महत्वपूर्ण रहा। आज मैच के दौरान भीड़ में से कुछ लोग मुझे उत्साहित कर रहे थे। मैं न केवल अपनी टीम से बल्कि भीड़ में मौजूद कुछ अनजान लोगों से भी ऊर्जा लेना चाहता था। मैंने एंडी मरे को अपने मैचों में ऐसा करते हुए कई बार देखा है।”

सूर्यवंशी ने इंग्लैंड में किया धमाकेदार प्रदर्शन

बनाया शतक

लंदन. भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में है, जहां वह मेजबान इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच मैचों की यूथ वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर रही है. इस सीरीज में 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जमकर चल रहा है. चौथे वनडे में 52 गेंदों में तूफानी शतक जड़कर इतिहास रचने वाले वैभव से अब सीरीज के आखिरी मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद है. उनके कोच मनीष ओझा ने भी इस मुकाबले को लेकर एक बड़ी भविष्यवाणी की है. उनके मुताबिक, वैभव 7 जुलाई को होने वाले पांचवें वनडे में भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी को उनके जन्मदिन पर शानदार तोहफा देंगे. बता दें, 7 जुलाई को ही धोनी का जन्मदिन है.

वैभव सूर्यवंशी ने इस सीरीज में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है. पहले वनडे में उन्होंने 19 गेंदों में 48 रन (5 छक्के, 3 चौके) बनाए, जबकि दूसरे वनडे में 34 गेंदों में 45 रन (5 चौके, 3 छक्के) की पारी खेली. तीसरे वनडे में वैभव ने 31 गेंदों में 86 रन (9 छक्के, 6 चौके) बनाकर अंडर-19 वनडे में एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का भारतीय रिकॉर्ड अपने नाम किया.

वहीं, चौथे वनडे में तो उन्होंने 52 गेंदों में 10 चौकों और 7 छक्कों की मदद से शतक ठोककर यूथ वनडे में सबसे तेज शतक का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया. इस पारी में उन्होंने कुल 143 रन जड़े. ऐसे में वैभव के कोच मनीष ओझा ने टीवी9 हिंदी से बातचीत में कहा कि वैभव का बल्ला इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में भी गरज रहा है। उन्होंने भविष्यवाणी की 7 जुलाई को वैभव एक और शतक लगाएंगे और यह पारी एमएस धोनी के जन्मदिन के लिए खास तोहफा होगी. इसके अलावा उन्होंने वैभव सूर्यवंशी को जल्द से जल्द टीम इंडिया में मौका देने की भी बात की. मनीष ओझा ने कहा कि अंडर-19 की पूरी टीम से वह काफी अलग हैं और टीम इंडिया की ओर से खेलने के लिए तैयार हैं. सेलेक्टर्स उन्हें मौका देती है तो वह भरोसे पर खरे उतरेंगे.

एमएस धोनी से खास कनेक्शन

एमएस धोनी ने भारत को 3 आईसीसी ट्रॉफी जिताई है, वह 7 जुलाई को अपना 44वां जन्मदिन मनाएंगे. वैभव, जो बिहार के समस्तीपुर से आते हैं, धोनी को अपना आदर्श मानते हैं. धोनी भी झारखंड से हैं, जो पहले बिहार का ही हिस्सा था. दोनों की आक्रामक बल्लेबाजी शैली में भी समानता देखी जा सकती है. वैभव भी धोनी की तरह की लंबे-लंबे छक्के लगाने के लिए जाने जाते हैं.

जिला हॉकी संघ विवाद सुलझाने का प्रयास करेंगे- एमएलसी संदीप जोशी

नागपुर. नागपुर जिला एकीकृत हॉकी संघ (टीएनडीयूएचए) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और एमएलसी संदीप जोशी ने कहा है कि वे जिले में हॉकी के दो विवादित गुटों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए प्रयास करेंगे। यह बात उन्होंने खेल पत्रकार संघ नागपुर (एसजेएएन) के सदस्यों द्वारा शनिवार को उनके कार्यालय में सम्मानित किए जाने के दौरान कही। जोशी को स्मृति चिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, वे महाराष्ट्र राज्य बास्केटबॉल संघ (एमएसबीए) के भी अध्यक्ष बने हैं।

जोशी ने एसजेएएन सदस्यों के साथ अनौपचारिक बातचीत में बताया, "टीएनडीयूएचए अध्यक्ष के रूप में मेरी प्राथमिकता है कि हॉकी संघ के दोनों गुटों को एक साथ लाया जाए और विवाद का समाधान निकाला जाए। इसके लिए मैंने हॉकी महाराष्ट्र के अधिकारियों को नागपुर आने का निमंत्रण दिया है ताकि वे मिलकर समस्या का हल निकाल सकें।" इससे पहले हॉकी महाराष्ट्र ने टीएनडीयूएचए पर आरोप लगाया था कि चुनाव प्रक्रिया से पहले उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया था और राज्य निकाय ने टीएनडीयूएचए के निर्देशों का पालन न करने पर कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। जोशी ने बास्केटबॉल के विकास को लेकर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, "बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने एमएसबीए को संबद्धता प्रदान कर दी है, जिससे अब कोई विवाद नहीं है। हम राज्य में खेल को बेहतर बनाने के लिए कार्य करेंगे। पिछले कानूनी विवादों के कारण खिलाड़ियों को नुकसान हुआ था और वे ग्रेस मार्क्स से वंचित रह गए थे, लेकिन अब वे इसके लिए पात्र होंगे।" इस अवसर पर एमएसबीए के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष भावेश कचनवार भी उपस्थित थे।